" दीप हैं जलते रहेंगे, हम प्रलय की आँधियों से अन्त तक लड़ते रहेंगे।"

पूर्वोत्तर भारत शिलचर (असम) से प्रकाशित लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

प्रेरणा भारती

www.preranabharati.com Email: preranabharati@gmail.com

हरिदर्शन HARIDARSHAN

हमारे यहाँ धार्मिक पुस्तक के साथ पूजा-पाठ, हवन-पूजन की सामग्री उचित मूल्य पर प्राप्त करें

मेहरपुर, शिलचर, असम-788015
मो.नं. 9435213512,

Postal Registration No.RN-SC-36/2023-25 (RNI No.) ASSHIN/2016/69550 अंक - 148 वर्ष -11 अधिक ज्येष्ठ कृ.पंचमी 2082 शुक्रवार (5 जून 2026) मूल्य-5 रुपये, पृष्ठ-6, preranabharati@gmail.com

असम मंत्रिमंडल में शामिल होंगे १२ मंत्री, ५ जून को होगा शपथ ग्रहण

गुवाहाटी, ०४ जून, (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री ने गुरुवार को राज्य मंत्रिपरिषद के विस्तार की घोषणा करते हुए उन विधायकों के नाम जारी किए, जिन्हें ५ जून को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाएगी। शपथ ग्रहण समारोह दोपहर १२:४५ बजे आयोजित होगा।मुख्यमंत्री द्वारा सोशल मीडिया पर जारी सूची के अनुसार अश्विनी राय सरकार, अशोक सिंघल, बिमल बोरा, बिस्वजीत दैमारी, जयंत मल्लबरुवा, कौशिक राय, केशव महंत, कृष्णेंदु पाल, नीलिमा देवी, पियूष हजारिका, डॉ. रणोज पेगू और सुशांत बरगोहाई को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाएगी।यह शपथ ग्रहण समारोह असम मंत्रिपरिषद में नए मंत्रियों के औपचारिक प्रवेश का प्रतीक होगा। कार्यक्रम में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के उपस्थित रहने की संभावना है।समारोह गुवाहाटी स्थित ज्योति-बिष्णु अंतरराष्ट्रीय कला मंदिर में आयोजित किया जाएगा।

असम भाजपा विश्व पर्यावरण दिवस को एक विशाल पौधरोपण अभियान के साथ मनाएगी

गुवाहाटी, ०४ जून (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने न केवल असम के बहुआयामी विकास को गति दी है, बल्कि राज्य की पारिस्थितिक संपदा के संरक्षण, जीर्णोद्धार और पुनरुद्धार में भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी ५ जून को पूरे असम में विश्व पर्यावरण दिवस को एक व्यापक और विस्तृत तरीके से मनाएगी। केंद्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार के १२ साल पूरे होने के अवसर पर, पार्टी ने पूरे राज्य में एक करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया है।भाजपा के अनुसार, पिछली कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल के दौरान, कथित तौर पर निजी स्वार्थों और मुनाफे की होड़ में जंगलों को सुनियोजित तरीके से नष्ट किया गया था। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, जंगलों और आर्द्रभूमियों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण और प्राकृतिक आवासों का क्षरण एक दुखद रूप से आम बात बन गई थी। गैंडों के शिकार की घटनाएं अक्सर सुर्खियों में छाई रहती थीं, जबकि राज्य की अमूल्य प्राकृतिक विरासत लगातार उपेक्षा का शिकार होती रही। इसके विपरीत, सर्बानंद सोनोवाल और उसके बाद डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली राजग सरकारों ने पर्यावरणीय क्षरण के इस लंबे दौर को समाप्त कर दिया। अतिक्रमण की गई वन भूमि और आर्द्रभूमियों के विशाल हिस्सों को वापस हासिल किया गया, वन्यजीव आवासों को बहाल किया गया, और असम के पारिस्थितिक संतुलन को पुनर्जीवित करने के लिए निर्णायक कदम उठाए गए। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर एक बयान में असम प्रदेश भाजपा ने पिछले एक दशक में राज्य के प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा और उसे मजबूत करने के लिए उठाए गए कई परिवर्तनकारी कदमों पर प्रकाश डाला। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता कमल कुमार मेधी ने आज बताया कि अकेले पिछले पांच वर्षों में ही अवैध अतिक्रमण से २५,००० एकड़ से अधिक वन भूमि को वापस हासिल किया गया है। पिछले वर्ष ९ और १० ⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

बीटीसी सरकार का बड़ा फैसला, एमसीएलए और कार्यकारी सदस्यों के वेतन में ३० प्रतिशत कटौती

कोकराझाड़. (असम), ०४ जून (हि.स.)। बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) सरकार ने खर्ची में कटौती के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए एमसीएलए और कार्यकारी सदस्यों के वेतन में ३० प्रतिशत कटौती करने का फैसला किया है।
यह निर्णय कार्यकारी परिषद की बैठक में लिया गया। परिषद ने आगामी छह माह तक इस कटौती को लागू रखने का निर्देश जारी किया है। बीटीसी प्रमुख हग्रामा महिलारी ने बीती रात बैठक के बाद बताया कि मध्य-पूर्व में युद्ध जैसे हालात और उससे उत्पन्न वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि वित्तीय अनुशासन बनाए रखने तथा सरकारी खर्ची में कमी लाने के लिए यह अस्थायी व्यवस्था लागू की गई है। परिषद का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। बीटीसी प्रशासन ने इसे आपातकालीन व्यय-संकोचन उपाय बताते हुए कहा है कि छह माह बाद स्थिति की समीक्षा कर आगे का निर्णय लिया जाएगा।

रामकृष्णनगर शिक्षा खंड के स्कूलों में संगीत शिक्षकों का अभाव, क्षेत्र में बढ़ा रोष

रामकृष्णनगर, ४ जून (गौतम सरकार): श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत हाई स्कूलों एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में संगीत विषय के शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होने से क्षेत्र के कलाकारों, संगीत प्रेमियों और प्रशिक्षित संगीत शिक्षकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।
जानकारी के अनुसार, स्कूलों में विज्ञान, गणित, हिंदी, अंग्रेजी सहित अन्य विषयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं कार्यरत हैं, लेकिन संगीत जैसे महत्वपूर्ण विषय के लिए आज तक स्थायी पदों पर ⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

असम की उन्नति के लिए मुख्यमंत्री का दिल्ली प्रवास संपन्न

प्रेरणा प्रतिवेदन ४ जून: असम के विकास को नई गति देने और राज्य की प्रगति के लिए दीर्घकालिक योजनाओं को मूर्त रूप देने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री डा. हिमंत विश्वशर्मा हाल ही में नई दिल्ली प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने राज्य के समग्र विकास, निवेश, शिक्षा, अवसंरचना तथा रोजगार सृजन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ महत्वपूर्ण विचार-विमर्श किया। अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति राधा कृष्णन तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर असम के विकास संबंधी प्राथमिकताओं पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रियों, राज्य मंत्रियों तथा देश के प्रमुख उद्योगपतियों से भी मुलाकात कर निवेश और विकास की नई संभावनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया।राज्य के लोगों को उम्मीद है कि दूसरी बार मुख्यमंत्री का दायित्व संभालने के बाद डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की यह महत्वपूर्ण नई दिल्ली यात्रा असम के लिए नई उपलब्धियों का मार्ग प्रशस्त करेगी। माना जा रहा है कि इस दौरे से राज्य में निवेश, रोजगार, औद्योगिक विकास और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में नई पहल को बल मिलेगा तथा असम की विकास यात्रा को और अधिक गति प्राप्त होगी।असम के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में यह यात्रा एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकती है, जिससे राज्य के लिए संभावनाओं के अनेक नए द्वार खुलने की उम्मीद है।

मीन निगम घोटाले के मुख्य आरोपित पद्मकांत हजारिका आज फिर अदालत में पेश, रिश्तेदार के घर पुलिस की छापेमारी

गुवाहाटी, ०४ जून, (हि.स.)। असम मत्स्य विकास निगम (एएफडीसी) के बहुचर्चित करोड़ों रुपये के घोटाले के मुख्य आरोपित पद्मकांत हजारिका को गुरुवार को एक बार फिर अदालत में पेश किया गया। मामले की जांच लगातार जारी है और जांच एजेंसियां कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं।इसी बीच, पुलिस ने गुवाहाटी के हाथीगांव क्षेत्र स्थित शेवाली पथ में गुरुवार को एक आवास पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई एएफडीसी में कथित करोड़ों रुपये के घोटाले और वित्तीय अनियमितताओं की जांच के तहत की गई।
सूत्रों के अनुसार, तलाशी के दौरान पुलिस पद्मकांत हजारिका को भी अपने साथ लेकर गई। जांच दल ने मामले से जुड़े दस्तावेजों और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों की तलाश में घर की गहन जांच की।बताया गया है कि जिस घर में छापेमारी की गई, उसमें पद्मकांत हजारिका का एक रिश्तेदार रहता है। पुलिस अधिकारियों ने कई दस्तावेजों और अन्य सामग्रियों की जांच की है, जिन्हें मामले से जुड़ा महत्वपूर्ण माना ⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

डिगबोई में पुलिस ने फ्यूल चोरी के रैकेट का भंडाफोड़ किया, बार-बार अपराध करने वाला गिरफ्तार

डिगबोई:(अर्णव शर्मा) ४ जून : फ्यूल चोरी के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए, डिगबोई पुलिस ने एक ऑर्गनाइज्ड फ्यूल चोरी रैकेट का भंडाफोड़ किया है और एक बार-बार अपराध करने वाले को गिरफ्तार किया है, जिस पर आरोप है कि वह इस इलाके में चल रहे तेल टैंकरों से पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की चोरी करता था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह ऑपरेशन डिगबोई इलाके से पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स ले जाने वाले टैंकरों से फ्यूल के गैर-कानूनी निकालने और बेचने के बारे में खास इंटेलिजेंस इनपुट मिलने के बाद किया गया था। रेड के दौरान, पुलिस वालों ने ऐसे ही अपराधों के इतिहास वाले एक संदिग्ध को पकड़ा और चोरी के ऑपरेशन में इस्तेमाल होने वाले इक्विपमेंट के साथ काफी मात्रा में चोरी का फ्यूल जब्त किया।
जांच करने वालों ने बताया कि आरोपी पहले भी फ्यूल चोरी के मामलों में शामिल रहा है और पुलिस की निगरानी में था। बताया जा रहा है कि इस रैकेट में ट्रांजिट के दौरान टैंकरों से बिना इजाजत फ्यूल निकालना शामिल था, जिसे बाद में ब्लैक मार्केट में बेच ⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

कछार में ४.५ करोड़ की मादक पदार्थ बरामद, तीन महिला समेत छह ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

कछार (असम), ०४ जून (हि.स.)। असम के विभिन्न जिलों में नशा-विरोधी अभियान लगातार जारी है। इस कड़ी में पुलिस ने कछार जिले की विभिन्न इलाकों में चलाए गये अलग-अलग अभियानों में तीन महिला समेत छह ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। वहीं, लगभग ४.५ करोड़ मूल्य की मादक पदार्थ भी बरामद किया है। कछार जिला पुलिस मुख्यालय ने गुरुवार को बताया कि उदारबंद पुलिस स्टेशन के अंतर्गत, विश्वसनीय जानकारी के आधार पर, इंट्रा बी-१० ट्रक (एएस-११डीसी-८६२९) से कुल ८०१० बोतलें (१०० एमएल) कोडीन कफ सिरप और १५० पैकेट ट्रामाडोल टैबलेट (प्रत्येक पैकेट में १० स्ट्रिप और एक स्ट्रिप में २४ टैबलेट, यानी कुल ३६,००० टैबलेट) बरामद की गई। एक ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया, जिसकी पहचान ग्यासुद्दीन लस्कर के रूप में हुई है। एक अन्य अभियान में कलाइन पुलिस स्टेशन के अंतर्गत दिगोरखाल क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले में, कलाइन की ओर आ रहे एक ट्रक (एएस-०१ईसी-२५३३) को रोका ⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

उधारबंद ब्लॉक कार्यालय में नव-निर्वाचित विधायक राजदीप ग्वाला का भव्य अभिनंदन

उधारबंद, निहार कांति राय ४ जून:। उधारबंद विधानसभा क्षेत्र के नव-निर्वाचित विधायक राजदीप ग्वाला का बुधवार को उधारबंद ब्लॉक कार्यालय परिसर में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक कार्यालय के कर्मचारियों, आंचलिक पंचायत समिति के सदस्यों तथा विभिन्न ग्राम पंचायतों के अध्यक्षों और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें सम्मानित किया।उधारबंद ब्लॉक सभागार में आयोजित अभिनंदन समारोह की अध्यक्षता ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) साधना काथारपी ने की। कार्यक्रम में आंचलिक पंचायत अध्यक्ष सुमन केवट ने विधायक ग्वाला का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया, जबकि बीडीओ ने उन्हें पारंपरिक उत्तरीय ओढ़ाकर सम्मानित किया।इसके बाद आंचलिक पंचायत अध्यक्ष सुमन केवट, उपाध्यक्ष अमिता चक्रवर्ती, दयापुर जीपी की आंचलिक पंचायत सदस्य सुंदना कुमी, हाथीछोड़ा जीपी के सदस्य रामू छेत्री, पानग्राम के आंचलिक पंचायत सदस्य अभिजीत आचार्य, लारसिंग जीपी की सदस्य भारती राजवंशी सहित अनेक पंचायत प्रतिनिधियों ने विधायक को उत्तरीय एवं श्रीश्री राधा-कृष्ण की प्रतिकृति भेंट कर सम्मानित किया। ग्राम पंचायत सचिव मुक्तालाल ⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

यूसीसी समाज सुधार और महिला सशक्तिकरण का कानून, भाजपा का जनसंपर्क अभियान: विधायक मिलन दास

प्रे.सं.शिलचर, ४ जून : समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर आम लोगों के बीच फैली भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय, शिलचर में एक पत्रकार सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में हाइलाकांडी के विधायक मिलन दास, जिला भाजपा अध्यक्ष रूपम साहा, जिला महासचिव अमिताभ राय एवं गोपाल राय तथा पार्टी प्रवक्ता जयंत चक्रवर्ती उपस्थित रहे।पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधायक मिलन दास ने यूसीसी के विभिन्न प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शपथ ग्रहण के बाद सरकार के प्रथम विधानसभा सत्र में ही इस विधेयक को पारित किया गया। उन्होंने कहा कि कानून को लेकर कुछ वर्गों द्वारा गलत जानकारी और दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है, जबकि इसका वास्तविक उद्देश्य समाज में समानता, न्याय और महिला अधिकारों को मजबूत करना है। इसी कारण जनता तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए यह जनसंपर्क अभियान शुरू किया गया है।मिलन दास ने बताया कि यूसीसी के प्रथम खंड में बहुविवाह, तलाक प्रथा तथा 'लव जिहाद' से संबंधित प्रावधान और दंड का उल्लेख है। दूसरे खंड में संपत्ति के अधिकार, तीसरे खंड में लिव-इन संबंधों को कानूनी मान्यता तथा चौथे खंड में भविष्य में कानून की कमियों एवं त्रुटियों को दूर करने के लिए संशोधन संबंधी व्यवस्था शामिल की गई है।उन्होंने कहा कि यूसीसी एक समाज सुधारक और जनकल्याणकारी कानून है, जो महिला एवं पुरुष को समान अधिकार प्रदान करने के साथ सामाजिक न्याय की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनके अनुसार यह कानून विभिन्न व्यक्तिगत कानूनों में मौजूद असमानताओं को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष रूपम साहा ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने यूसीसी लागू करने का जो वादा किया था, सरकार ने उसे पूरा कर दिखाया है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा और उनके सामाजिक सशक्तिकरण के लिए इस कानून का स्वागत किया।रूपम साहा ने आगामी विश्व पर्यावरण दिवस तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के १२ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा पूरे महीने आयोजित किए जाने वाले विभिन्न जनकल्याणकारी एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

जिला टास्क फोर्स ने जिले में २७.८ लाख से अधिक बच्चों के १००% पल्स पोलियो टीकाकरण को सुनिश्चित करने की समीक्षा की

प्रे.सं.शिलचर, ४ जून : : बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण को और मजबूत करने और जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखने के उद्देश्य से, राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (एनआईडी) के अवसर पर, कछार जिला प्रशासन और जिला स्वास्थ्य संघ की संयुक्त पहल के तहत, कछार जिला आयुक्त कार्यालय के नए सम्मेलन कक्ष में गुरुवार को जिला कार्य बल समिति (डीटीएफसी) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कछार के अतिरिक्त जिला आयुक्त (स्वास्थ्य विभाग) मनोज्योति कुतुम, एसीएस ने की। बैठक में कछार के संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य विभाग डॉ. सुमना नैडिंग, जिला कार्यक्रम समन्वयक राहुल घोष, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण) डॉ. एम. आई. बरभुयान, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के निगरानी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अर्कादेब कर, कछार स्कूल निरीक्षक मिथुन जौहरी, उप डेमो बप्पा देव, रोटरी क्लब सिलचर २०२६ के अध्यक्ष देबाशीष सोम, रोटरी क्लब सिलचर २०२७-२८ के अध्यक्ष गौरव पाल, समाज कल्याण विभाग के प्रतिनिधि, देशबंधु क्लब के प्रतिनिधि और जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों और ब्लॉक स्तर के स्वास्थ्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।
प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए अतिरिक्त जिला आयुक्त (स्वास्थ्य) मनोज्योति कुतुम ने कहा कि राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस एक अत्यंत महत्वपूर्ण जन स्वास्थ्य कार्यक्रम है, जिसका मुख्य उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को पोलियो जैसी गंभीर बीमारियों से बचाना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी सहयोगी विभागों और संगठनों के बीच समन्वित प्रयास आवश्यक हैं ताकि कोई भी पात्र बच्चा टीकाकरण से वंचित न रह जाए। उन्होंने सभी संबंधित संगठनों से पल्स पोलियो कार्यक्रम के लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करने और जिले की बाल स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए ⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

!! नकारात्मक विचारों का आना तय है, परन्तु यह आप पर निर्भर करता है कि आप उन्हे कितना महत्व देते हैं। !!

सम्पादकीय.....

तृणमूल कांग्रेस में संकट: क्या परिवारवाद और नेतृत्व शैली बन रही है सबसे बडी चुनौती?

पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस जिस तरह आंतरिक असंतोष और संगठनात्मक चुनौतियों का सामना कर रही है, उसने भारतीय क्षेत्रीय दलों की संरचना और नेतृत्व मॉडल पर एक बार फिर बहस छेड.दी है। यदि पाटी के विधायकों में असंतोष खुलकर सामने आ रहा है और उसके सांसदों के बीच भी बेचैनी बढ.रही है, तो इसे केवल एक अस्थायी राजनीतिक घटना मानकर नहीं टाला जा सकता। यह उन गहरे अंतर्विरोधों का संकेत है, जो लंबे समय से पाटी के भीतर पनप रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस की सबसे बडी ताकत हमेशा इसकी अध्यक्ष और चरारींर इरपशीक्षशश का जनाधार रही है। उन्होंने अपने संघर्ष और राजनीतिक कौशल के बल पर पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन का लंबा दौर समाप्त किया और पाटी को राज्य की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक शक्ति बनाया। किंतु किसी भी राजनीतिक दल के लिए सबसे कठिन चुनौती तब उत्पन्न होती है, जब संगठन की शक्ति धीरे-धीरे व्यक्तियों के इर्द-गिर्द सिमटने लगती है। तृणमूल कांग्रेस में भी यही स्थिति दिखाई दे रही है।

पाटी के भीतर लंबे समय से यह धारणा बनती रही है कि अलहळीहशज्ञ इरपशीक्षशश को संगठन और सत्ता दोनों में अपेक्षाकृत अधिक महत्व दिया जा रहा है। यदि वरिष्ठ नेताओं और जनाधार वाले कार्यकर्ताओं को यह महसूस होने लगे कि उनके अनुभव और योगदान की उपेक्षा हो रही है, तो असंतोष का जन्म स्वाभाविक है। राजनीतिक दल केवल करिश्माई नेतृत्व से नहीं चलते, बल्कि सामूहिक नेतृत्व, संवाद और संगठनात्मक संतुलन से भी मजबूत होते हैं। भारतीय राजनीति में परिवारवाद कोई नई समस्या नहीं है। अनेक क्षेत्रीय दलों में उत्तराधिकार की राजनीति ने समय-समय पर आंतरिक संघर्षों को जन्म दिया है। जब नेतृत्व का हस्तांतरण योग्यता, अनुभव और संगठनात्मक स्वीकार्यता के बजाय पारिवारिक संबंधों के आधार पर होता हुआ दिखाई देता है, तब पाटी के भीतर विरोध के स्वर उभरने लगते हैं। यही कारण है कि कई दल समय के साथ विभाजन और कमजोर पडने की स्थिति में पहुंचे हैं।

हालांकि तृणमूल कांग्रेस की वर्तमान चुनौती को केवल परिवारवाद तक सीमित करके देखना भी उचित नहीं होगा। पाटी के सामने संगठनात्मक अनुशासन, नेतृत्व शैली, निर्णय प्रक्रिया और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद की कमी जैसे प्रश्न भी खडे.हैं। किसी भी बडे.राजनीतिक दल में असंतोष को समय रहते सुनना और उसका समाधान निकालना नेतृत्व की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। यदि ऐसा नहीं होता, तो छोटे मतभेद भी बडे.संकट का रूप ले सकते हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि विचारधारा की स्पष्टता किसी भी राजनीतिक संगठन को दीर्घकालिक स्थिरता प्रदान करती है। जिन दलों की पहचान मुख्यतः सत्ता, व्यक्तित्व या चुनावी समीकरणों पर आधारित होती है, वे सत्ता में रहते हुए तो मजबूत दिखाई देते हैं, लेकिन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनके भीतर दरारें उभरने लगती हैं। संगठनात्मक प्रतिबद्धता और वैचारिक स्पष्टता ही वह आधार है, जो कठिन समय में नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट रखता है।

तृणमूल कांग्रेस के लिए यह समय आत्ममंथन का है। यदि पाटी नेतृत्व असंतोष के संकेतों को गंभीरता से लेते हुए संवाद, संगठनात्मक लोकतंत्र और सामूहिक नेतृत्व को प्राथमिकता देता है, तो वह इस संकट से उबर सकती है। लेकिन यदि चेतावनी के इन संकेतों को नजरअंदाज किया गया, तो यह केवल कुछ नेताओं की नाराजगी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पाटी की दीर्घकालिक राजनीतिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकता है।

तृणमूल कांग्रेस का मौजूदा संकट केवल एक दल का आंतरिक मामला नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण सबक भी है। किसी भी राजनीतिक संगठन की स्थिरता केवल चुनावी सफलता से सुनिश्चित नहीं होती। संगठनात्मक लोकतंत्र, वैचारिक स्पष्टता, अनुभवी नेतृत्व का सम्मान और परिवारवाद से ऊपर उठकर निर्णय लेने की क्षमता ही किसी दल को लंबे समय तक प्रासंगिक और मजबूत बनाए रख सकती है। तृणमूल कांग्रेस के सामने आज यही सबसे बडी परीक्षा है।

विश्व साइकिल दिवस : स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का संदेश

साइकिल चलाने के अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं। नियमित रूप से प्रतिदिन लगभग ३० मिनट साइकिल चलाने से हृदय मजबूत होता है, रक्त संचार बेहतर होता है तथा शरीर की अतिरिक्त कैलोरी खर्च होती है। इससे मोटापा नियंत्रित रहता है और मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा हृदय रोगों का जोखिम कम होता है। साइकिल चलाने से मांसपेशियां मजबूत बनती हैं, जोडों की कार्यक्षमता बेहतर होती है तथा शरीर की सहनशक्ति बढती है।

सुनील कुमार महला,
फ्रीलांस राइटर,
कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ,
उत्तराखंड।मोबाइल
९८२८१०८८५८

प्रतिवर्ष ३ जून को विश्वभर में विश्व साइकिल दिवस (वर्ल्ड बाइसिकल डे) मनाया जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने १२ अप्रैल २०१८ को एक प्रस्ताव पारित कर ३ जून को विश्व साइकिल दिवस घोषित किया था तथा इस पहल को सफल बनाने में पोलैंड के सामाजिक वैज्ञानिक प्रोफेसर लेशेक सिबिल्स्की तथा उनके विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उपलब्ध जानकारी के अनुसार उन्होंने अपने समाजशास्त्र के छात्रों के साथ मिलकर विश्व साइकिल दिवस घोषित करने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया तथा उनके सतत प्रयासों और विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के सहयोग से संयुक्त राष्ट्र के सभी १९३ सदस्य देशों ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को स्वीकार किया। तब से यह दिवस दुनिया भर में उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है।वास्तव में, विश्व साइकिल दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य साइकिल को एक सरल, सस्ता, विश्वसनीय, पर्यावरण-अनुकूल और स्वास्थ्यवर्धक परिवहन साधन के रूप में बढावा देना है। वास्तव में, यह दिवस लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होने, धरती से कार्बन उत्सर्जन कम करने तथा सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। साथ ही यह सडक़ सुरक्षा, सस्ती परिवहन व्यवस्था और हरित भविष्य के निर्माण का संदेश भी देता है।

साइकिल का इतिहास अत्यंत रोचक है।आधुनिक साइकिल के विकास की शुरुआत वर्ष १८१७ में जर्मनी के आविष्कारक कार्ल वॉन ड्रैस द्वारा निर्मित 'ड्रैसिन' या 'हॉबी हॉर्स' से मानी जाती है। यह पूरी तरह लकडी की बनी होती थी और इसमें आज की तरह पैडल नहीं होते थे। इसे चलाने के लिए सवार को अपने पैरों से जमीन को पीछे की ओर धकेलना पडता था। बाद के वर्षों में स्कॉटलैंड के किर्कपैट्रिक मैकमिलन सहित अनेक आविष्कारकों ने साइकिल के विकास में योगदान दिया।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार वर्ष १८६० के दशक में फ्रांस में पैडलयुक्त साइकिलों का विकास हुआ। पाठकों को बताता चलूं कि फ्रांसीसी आविष्कारक पियरे लालेमें द्वारा पैडल युक्त पहिए के विकास को साइकिल के इतिहास में महत्वपूर्ण माना जाता है। उस समय की साइकिलों को 'वेलॉसिपीड' कहा जाता था। आरंभिक साइकिलों के पहिए लोहे या लकडी के होते थे तथा सडक़ें भी अत्यंत ऊबड-खाबड. थीं। परिणामस्वरूप सवारी के दौरान इतना अधिक कंपन होता था कि इन्हें 'बोनशेकर' अर्थात 'हड्डियां हिला देने वाली साइकिल' कहा जाने लगा। बाद में वर्ष १८८८ में जॉन बॉयड डनलप द्वारा हवा भरे रबर टायर के आविष्कार ने साइकिल यात्रा को अधिक आरामदायक, सुरक्षित और लोकप्रिय बना दिया। साइकिल की बढती लोकप्रियता को देखते हुए इंग्लैंड, फ्रांस और अमेरिका के निर्माताओं ने इसमें अनेक सुधार किए, जिनमें पतले तीलियों वाले पहिए, बॉल बेयरिंग और ब्रेक जैसी सुविधाएं शामिल थीं।

आज साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक बन चुकी है। यह ईंधन रहित साधन होने के कारण वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बढते जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और ग्रीनहाउस गैसों की समस्या के बीच साइकिल एक प्रभावी और टिकाऊ समाधान के रूप में उभर रही है। यही कारण है कि दुनिया के अनेक देशों में लोग पुनः साइकिल की ओर लौट रहे हैं। कोरोना महामारी के दौरान अमेरिका सहित कई देशों में साइकिलों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, क्योंकि यह सामाजिक दूरी(सोशल डिस्टेंस) बनाए रखने का सुरक्षित व शानदार माध्यम भी थी।

विश्व में साइकिल की लोकप्रियता का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि नीदरलैंड ऐसा देश है, जहां इंसानों से अधिक साइकिलें हैं। लगभग १.८ करोड.की आबादी वाले इस देश में २.३ करोड. से अधिक साइकिलें हैं और लगभग २७ प्रतिशत यात्राएं केवल साइकिल के माध्यम से पूरी की जाती हैं। इंग्लैंड, बेल्जियम तथा अन्य यूरोपीय देशों में भी बडी संख्या में लोग अपने दैनिक जीवन में साइकिल का उपयोग करते हैं। कई देशों में 'साइकिल टू वर्क' जैसी योजनाएं लागू हैं, जिनके माध्यम से लोगों को कार्यस्थल तक साइकिल से जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। चीन में भी लंबे समय तक ईंधन की बचत और सस्ती परिवहन व्यवस्था के लिए बडे. पैमाने पर साइकिलों का उपयोग किया जाता रहा है।

भारत में भी साइकिल ने आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कई दशकों तक यह देश की परिवहन व्यवस्था का प्रमुख साधन रही। विशेष रूप से १९६० से १९९० के बीच अधिकांश भारतीय परिवारों के पास साइकिल होती थी।

ग्रामीण क्षेत्रों में किसान अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने, दूध विक्रेता दुग्ध आपूर्ति करने तथा विद्यार्थी विद्यालय और महाविद्यालय जाने के लिए साइकिल का व्यापक उपयोग करते थे। भारतीय डाक विभाग का बडा हिस्सा भी लंबे समय तक साइकिल आधारित रहा और आज भी अनेक डाक कर्मी साइकिल से पत्र वितरित करते हैं। इस दृष्टि से साइकिल ने देश की आर्थिक गतिविधियों और ग्रामीण जीवन को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

साइकिल चलाने के अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं। नियमित रूप से प्रतिदिन लगभग ३० मिनट साइकिल चलाने से हृदय मजबूत होता है, रक्त संचार बेहतर होता है तथा शरीर की अतिरिक्त कैलोरी खर्च होती है। इससे मोटापा नियंत्रित रहता है और मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा हृदय रोगों का जोखिम कम होता है। साइकिल चलाने से मांसपेशियां मजबूत बनती हैं, जोडों की कार्यक्षमता बेहतर होती है तथा शरीर की सहनशक्ति बढती है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमित शारीरिक गतिविधि रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में भी सहायक होती है। साइकिल चलाने से तनाव कम होता है, मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा मस्तिष्क की सक्रियता में वृद्धि होती है। यही कारण है कि इसे स्वास्थ्य विशेषज्ञ सबसे सरल और प्रभावी व्यायामों में से एक मानते हैं।

हालांकि, साइकिल के अनेक लाभ हैं, फिर भी इसके उपयोग में कुछ चुनौतियां मौजूद हैं। सुरक्षित साइकिल ट्रैक और आधारभूत सुविधाओं का अभाव, मोटर वाहनों की बढती संख्या, सडक़ दुर्घटनाओं का खतरा, साइकिल के प्रति बदलती सामाजिक सोच तथा महानगरों में अनुकूल यातायात व्यवस्था की कमी इसके प्रमुख अवरोध हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए शहरों में समर्पित साइकिल लेन विकसित करना, सार्वजनिक साइकिल शेयरिंग योजनाओं का विस्तार करना, स्कूलों एवं कॉलेजों में साइकिल उपयोग को प्रोत्साहित करना, सडक़ सुरक्षा नियमों का कडाई से पालन सुनिश्चित करना तथा पर्यावरण-अनुकूल परिवहन के प्रति जन-जागरूकता बढाना आवश्यक है।

बहरहाल, यहां बता दें कि वर्ष २०२६ के लिए विश्व साइकिल दिवस की थीम 'एक हरित भविष्य के लिए साइकिल चलाना' निर्धारित की गई है। यह थीम पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, ऊर्जा बचत तथा टिकाऊ शहरी विकास में साइकिल की भूमिका को रेखांकित करती है।

अंत में निष्कर्ष के तौर पर यह बात कही जा सकती है कि साइकिल केवल एक वाहन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास की आधारशिला है। यह ईंधन की बचत करती है, प्रदूषण कम करती है, स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है और आर्थिक रूप से भी लाभदायक है। विश्व साइकिल दिवस हमें यह संदेश देता है कि छोटी-सी साइकिल बडे.सकारात्मक बदलाव का माध्यम बन सकती है। यदि अधिक से अधिक लोग अपने दैनिक जीवन में साइकिल को अपनाएं, तो न केवल उनका स्वास्थ्य बेहतर होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के वैश्विक लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। इसलिए साइकिल को केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ, सुरक्षित और हरित भविष्य की ओर बढने का सशक्त माध्यम माना जाना चाहिए।

सान्वी पुरकायस्थ
यूकेजी (णघत्र)
किड्स कैसल प्रीस्कूल
किथाग्नूर शाखा, के. आर. पुरम, बेंगलुरु - ३६।

कहानी : कांच के रिश्ते

कोलकाता के बेहाला इलाके के एक पुराने पुश्तैनी मकान में उस दोपहर अजीब सी खामोशी छाई थी। रूपक और रानी अपना सामान समेट कर सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे। रूपक, जो एक मामूली सरकारी क्लर्क था, उसकी आँखें डबडबाई हुई थीं; लेकिन उसकी माँ ऊषा देवी ने बेरुखी से मुँह फेर लिया। उनकी ममता तो अपने छोटे बेटे दीपक पर बरस रही थी, जो स्कूल में एक ऊंचे पद पर शिक्षक था और अच्छी तनख्वाह लाता था। दीपक की पत्नी टुशी दरवाजे पर खड़ी यह सब देख रही थी और उसके चेहरे पर एक कुटिल मुस्कान थी। उसे पता था कि घर के असली मालिक अब वही और उसका बेटा हैं।

उनके जाते ही टुशी ने दरवाजा बंद कर दिया और 'हूँह' करती हुई अपने ऊपर वाले कमरे में चली गई। उधर रानी अपनी दोनों बेटियों को ऑटो में बिठाते समय मुड़कर उस घर की तरफ देख रही थी। उसकी आँखों में वे दिन किसी चलचित्र की तरह तैरने लगे जब वह दुल्हन बनकर इस घर में आई थी। सास ऊषा देवी ने उसका वरण किया था, घी के दीये से उसका मुख देखा था और बाएं हाथ में सोने से मढा नोवा (लोहे का कंगन) पहनाया था। आज वही घर उसके लिए पराया हो गया। वर्षों तक उसने इस घर की निस्वार्थ सेवा की थी, पर आज उसकी कोई कदर नहीं थी।

जब तक देवर जी की शादी नहीं हुई थी, तब तक तो ऊषा देवी सास की मर्यादा में रहीं। पर छोटे बेटे की अच्छी नौकरी क्या लगी, उन्होंने न सिर्फ बहू से, बल्कि अपने बड़े.बेटे तक से मुँह मोड़.लिया। अपनी बेटियों और पति को भी इस घर में घुटता देख आखिरकार रानी के सब्र का बांध टूट गया था।रानी की बडी बेटी स्कूल में पढती थी। छोटी बेटी के जन्म के बाद नियम के मुताबिक एक माह तक जच्चा घर (कमरे) से बाहर नहीं आ सकती थी। बडी बेटी जब स्कूल से थककर आती, तो उसे आधा-पौन घंटा इंतजार करना पडता, तब कहीं जाकर खाना मिलता। 'चाची फोन पर हैं', 'चाची मुन्ने को सुला रही हैं',बस यही बहाने मिलते थे। घर में मछली पकती, लेकिन बेचारी बच्ची के हिस्से अक्सर दाल-भात और भुजिया ही आती थी। रूपक कभी छुट्टी पर होता और उसकी नजर इन बातों पर जाती, तो वह पूछ लेता। तब जेठ के सामने टुशी की हिम्मत न होती कि कोई बहाना बनाए, इसलिए उन दिनों समय पर ठीक से खाना मिल जाता था। रानी बेचारी अपने कमरे में बंद यह सब देखती और अंदर ही अंदर कुढती रहती।

लेकिन बात तब और बिगड. गई जब दोनों भाइयों में ही तकरार हो गई। बात केवल इतनी थी कि घर में अब सदस्यों की संख्या बढ. गई थी, इसलिए एक-दो कमरे और बनवाने थे। दीपक ने अपनी पत्नी के उकसाने पर इसका पूरा खर्च बडे.भाई पर ही छोड.दिया और अपने पैसों से वह अलग जमीन लेने की सोच रहा था। जब रूपक ने इसका विरोध किया कि उसके पास अकेले दो कमरे बनवाने का सामर्थ्य नहीं है और दीपक को भी इसमें मदद करनी होगी, तो दोनों भाइयों में फूट पड.गई। वैसे भी दीपक शुरू से ही आत्मकेंद्रित था, इसलिए सारा दोष अकेले टुशी पर मढा नहीं जा सकता था। धीरे-धीरे यह दरार इतनी बढ.गई कि दोनों भाइयों ने अलग होने का फैसला कर लिया। फिर क्या था, वह दिन और आज का दिन,रानी की आँखों में सब कुछ साफ हो चुका था कि टुशी की चालों की वजह से ही आज यह नौबत आई थी।

जब रूपक और रानी घर से चले गए, तो ऊषा देवी को धीरे-धीरे अकेलेपन का अहसास होने लगा। कुछ दिन बाद वे अपनी बेटी मंजू के घर रहने चली गईं। उनकी बेटी को दोनों भाइयों के अलग होने की सारी बातें पता थीं। जब ऊषा देवी वहाँ रहने आईं, तो बेटी ने माँ को समझाया कि उन्हें अपने बड़े.बेटे से भी रिश्ता बनाए रखना चाहिए, ताकि समाज में घर टूटने की भनक किसी को न लगे। ऊषा देवी भी इस बात पर विचार करने लगीं। वे कुछ दिन और अपनी बेटी के यहाँ रुकने वाली थीं। जब से उनके पति का देहावसान हुआ था, वे अक्सर अपनी बेटी के घर चली जाया करती थीं। उनकी बेटी के घर के बगल में एक बड़ा सा काली माता का मंदिर था, जहाँ उनके पति ही उन्हें पहली बार लेकर गए थे। वे उस मंदिर में जातीं और अपने पति की याद में घंटों माता के दर्शन करते हुए परलोक में उनसे दोबारा मिलने की प्रार्थना करती रहती थीं।इधर, जब सूने घर में टुशी को एकांत मिला, तो उसका असली खेल शुरू हो गया। वह इस कदर अंधी हो गई कि अपने बेटे तक को भूल गई।

दरअसल, विवाह से पहले भी टुशी के कई अनैतिक संबंध थे, जिन्हें छिपाकर उसके माता-पिता ने उसकी शादी दीपक से कर दी थी। शादी के बाद भी वह उन संबंधों में लिप्त रही, लेकिन जब उसे लगा कि दीपक को शक हो सकता है, तो उसने चालाकी से एक बेटे को जन्म दिया ताकि दीपक का भरोसा जीता जा सके। दीपक, जो अपनी पत्नी के मोह में अंधा था, उसकी हर जायज-नाजायज मांग पूरी करता रहा। घर का सारा काम बडी भाभी रानी संभालती थीं, जबकि टुशी अक्सर बीमारी का बहाना बनाकर या मायके जाने की जिद करके काम से बच जाती थी। जब रानी भाभी को दूसरी बेटी हुई, तो ऊषा देवी का भेदभाव और बढ़ गया क्योंकि दीपक के पास बेटा था और एक अच्छी नौकरी भी। अंततः इसी अपमान और पक्षपात से थककर रूपक अपनी पत्नी और बेटियों को लेकर अलग रहने चला गया।अब टुशी दिनभर बेटे को पढ़ाने के नाम पर कमरे में बंद रहने लगी और अपने प्रेमियों से फोन पर बातें करने लगी। यहाँ तक कि दीपक की गैर-मौजूदगी में एक अनजान आदमी उससे मिलने भी आने लगा था। पति और बेटा स्कूल चले जाते, सास पहले से ही घर में नहीं थी; इसी बात का फायदा वह उठा रही थी।

एक दिन दीपक को उसके बेटे के स्कूल से फोन आया कि वह आकर बच्चे को ले जाए क्योंकि उसकी माँ उसे लेने नहीं आई है। वास्तव में, स्कूल प्रशासन ने टुशी को कई बार फोन किया था, लेकिन उसका फोन लगातार व्यस्त आ रहा था। जब दीपक बेटे को लेने स्कूल पहुँचा, तो वहाँ जो कुछ उसने सुना, उससे उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। स्कूल के कर्मचारियों ने बताया कि टुशी अक्सर बच्चे को स्कूल छोडक़र किसी आदमी के साथ उसकी बाइक पर चली जाती थी। कई बार वही अनजान व्यक्ति उसके बेटे को स्कूल से लेने भी आता था, जिसका परिचय टुशी ने स्कूल वालों से 'मामा' के रूप में करवाया था।जब दीपक ने रास्ते में बेटे से पूछा, तो बच्चे ने मासूमियत से बताया कि माँ ने ही उसे उस आदमी को 'मामा' कहकर बुलाना सिखाया है। दीपक ने पहले सोचा कि शायद वह उसका साला 'तपन' होगा, जो आजकल उनके घर के नजदीक ही एक कपडे. की दुकान में काम करता है। लेकिन जब बेटे ने बताया कि वह उसके सगे मामाओं में से कोई नहीं है, तो दीपक सन्न रह गया। वह बेटे को लेकर जल्दी-जल्दी घर लौटा। लौटते समय उसके मन में कई अनुत्तरित सवाल और एक गहरा डर समा गया था, लेकिन वह बेटे के सामने खुद को शांत बनाए रहा।

जैसे ही उसने घर में कदम रखा, सीढ़ियों के पास से ही उसे टुशी के हंस-हंसकर बात करने और आपत्तिजनक आवाजें सुनाई देने लगीं। वह तेजी से ऊपर पहुँचा और उसने टुशी को रंगे हाथों फोन पर अश्लील बातें करते पकड. लिया। जब दीपक ने गुस्से में उस पर हाथ उठाया, तो टुशी ने पहले तो रोना-धोना मचाया, लेकिन फिर तुरंत ही खुद को संभाल लिया। दीपक गहरे आक्रोश और घृणा में अपने बेटे को लेकर तुरंत घर से निकल गया और अपनी बहन मंजू के घर जा पहुँचा। उसने वहाँ बेटे को खाना खिलाया और अपनी माँ और बहन से बच्चे का ध्यान रखने को कहकर, दोबारा अपने घर की तरफ निकल पडा। इधर ऊषा देवी और मंजू को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि अचानक क्या हुआ है।

उधर, टुशी ने तुरंत अपने प्रेमी को फोन कर सब कुछ बता दिया। प्रेमी के समझाने पर उसने एक भयानक साजिश रची। उसने खुद को चोट पहुँचाई और दीपक पर घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न का झूठा केस दर्ज कराने की ठान ली। दीपक जब घर पहुँचा और उसे टुशी की इस खौफनाक मंशा का पता चला, तो वह अपनी सामाजिक साख और सरकारी नौकरी बचाने के लिए घुटनों पर आ गया और उससे हाथ जोडक़र माफी मांगने लगा। टुशी ने सोफे पर बैठकर बेहद ठंडे और क्रूर स्वर में अपनी शर्तें रखीं। उसने कहा, 'दीपक, अगर जेल नहीं जाना चाहते तो मेरी बात कान खोलकर सुन लो। तुम्हारी यह विधवा माँ अब से इस घर में नहीं रहेगी। मुझे अपने जीवन में किसी की रोक-टोक पसंद नहीं। न तुम्हारा भाई कभी यहाँ आएगा और न ही कोई और रिश्तेदार। मैं अपनी मर्जी से जिऊंगी; किससे मिलूंगी, यह मेरा फैसला होगा। मैं अपने प्रेमी से मिलूँ या उसे घर पर बुलाऊँ, तुम चूँ तक नहीं करोगे। अगर तुमने दोबारा मुझ पर हाथ उठाया या मेरे निजी जीवन में दखल दिया, तो घरेलू हिंसा के केस में तुम्हें सलाखों के पीछे सड़वा दूंगी।'

दीपक बेबसी और लाचारी से दीवार पर टंगी अपने दिवंगत पिता की तस्वीर की ओर देखने लगा। थोडी देर चुप रहने के बाद वह सुन्न कदमों से घर से निकला और वापस अपनी बहन के घर आया। उसने जब माँ और बहन को यह सब बताया, तो दोनों के होश उड.गए। ऊषा देवी, जिन्होंने अपनी ममता का गलत चुनाव किया था, उन्हें यकीन नहीं हो रहा था कि जिस छोटी बहू पर वे इतना नाज.करती थीं, वह इतनी शातिर और चरित्रहीन निकलेगी। अब ऊषा देवी को इस बात का डर सताने लगा कि अगर उनके कुल का यह बिखराव और बदनामी लोगों के सामने आई, तो समाज में उनका क्या मुंह रहेगा। लोक-लाज के डर से उन्होंने दीपक को समझा-बुझाकर नाती के साथ वापस घर भेज दिया और टुशी से जैसे-तैसे सुलह करने की अपील की।दीपक माँ के कहने पर उस चौखट के भीतर लौट तो आया, लेकिन अब वह मकान उसके लिए 'घर' नहीं रह गया था। उस पुश्तैनी मकान में रिश्तों की गरिमा और पवित्रता हमेशा के लिए दम तोड.चुकी थी। दीपक अपने ही घर में एक मूक कैदी बनकर रह गया था, जहाँ हुकूमत केवल टुशी और उसके अनैतिक फैसलों की थी।

डॉ मधुछन्दा चक्रवती
बैंगलोर

विश्व पर्यावरण दिवस पर हाइलाकांदी में होंगे विविध कार्यक्रम, हजारों पौधों का होगा वितरण

सिप्रीयान डायास हाइलाकांदी, ४ जून: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ५ जून को हाइलाकांदी जिले में वन विभाग की ओर से विभिन्न जागरूकता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसकी जानकारी जिला वन अधिकारी अखिल दत्त ने बुधवार को हाइलाकांदी में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में दी।

उन्होंने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व पर्यावरण दिवस को व्यापक स्तर पर मनाने की तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम के तहत शुक्रवार सुबह ८ बजे जिला आयुक्त कार्यालय परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल 'एक पेड.मां के नाम' अभियान के अंतर्गत हजारों पौधों का वितरण किया जाएगा। साथ ही जिला आयुक्त कार्यालय परिसर एवं उसके आसपास वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इसके बाद पूर्वाह्न ११ बजे हाइलाकांदी एस.एस. कॉलेज परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न सांस्कृतिक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस समारोह में वन विभाग के कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

विशिष्ट अतिथियों में हाइलाकांदी के जिला आयुक्त अभिषेक जैन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमिताभ सिंह सहित जिले के अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं अधिकारी शामिल होंगे। जिला वन अधिकारी अखिल दत्त ने जिलेवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है।

प्रथम पृष्ठ का शेषांश.....

असम भाजपा विश्व पर्यावरण दिवस को ...

नवंबर को ग्वालपारा के दाहिकाटा आरक्षित वन में चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान, लगभग ६०० अवैध अतिक्रमणकारियों को हटाया गया और लगभग १,१५० बीघा वन भूमि को वापस उसके मूल स्वरूप में लाया गया। इसके बाद किए गए पौधरोपण और पारिस्थितिक बहाली के उपायों के परिणामस्वरूप, इन वापस हासिल किए गए आवासों में वन्यजीवों की धीरे-धीरे वापसी होने लगी है।दहिकाटा और बंदरमाथा आरक्षित वनों को अतिक्रमण से मुक्त कराने से, लंबे समय से बाधित हाथियों के गलियारे फिर से खुल गए हैं। इससे मानव-हाथी संघर्ष में काफी कमी आई है और जंगली हाथी अपने प्राकृतिक क्षेत्र में आजादी से घूम-फिर पा रहे हैं। इसी तरह, गोलाघाट जिले के रेंगमा आरक्षित वन में, सरकार ने पहले ही लगभग १५३ हेक्टेयर जमीन वापस हासिल कर ली है और बडे.पैमाने पर वृक्षारोपण का काम शुरूकर दिया है। काबी आंगलोंग के धनसिरी और दलदली आरक्षित वनों में अतिक्रमण-मुक्त बहाली के प्रयासों ने भी बडे.पैमाने पर वनीकरण कार्यक्रमों के लिए रास्ता खोल दिया है, जिनमें कई स्थानीय प्रजातियों को शामिल किया गया है। लाओखोवा वन्यजीव अभयारण्य के बडे.हिस्सों को वापस हासिल करने के बाद, वन्यजीवों की आवाजाही काफी आसान हो गई है, जिससे जानवरों की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ऊपरी असम का पोवाई जंगल, जो कभी अवैध कब्जे.के कारण पारिस्थितिक पतन की कगार पर पहुंच गया था, उसने भी इसी तरह एक शानदार पुनरुद्धार देखा है। आज, इस पुनर्जीवित परिदृश्य में हाथियों, बाघों, भालुओं और जंगली घोडों की मुक्त आवाजाही सफल संरक्षण प्रयासों का एक प्रमाण है और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन गई है।

मीन निगम घोटाले के मुख्य आरोपित पद्मकांत .....

जा रहा है।उल्लेखनीय है कि एएफडीसी घोटाले की जांच के सिलसिले में विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) पद्मकांत हजारिका को गत ३१ मई को उडीसा के पुरी से गिरफ्तार किया गया था। उन पर निगम में भर्ती प्रक्रिया और जलाशयों (बील) के पट्टों के आवंटन में अनियमितताओं के गंभीर आरोप हैं।जांच एजेंसियों को संदेह है कि विभाग में कुछ नियुक्तियां कथित रूप से धन लेकर की गई तथा भर्ती प्रक्रिया में निर्धारित नियमों और पारदर्शिता की अनदेखी की गई। इसके अलावा, आरोप है कि लाभदायक बीलों के पट्टे सार्वजनिक निविदा प्रक्रिया का पालन किए बिना रिश्तेदारों, करीबी सहयोगियों और प्रभावशाली व्यक्तियों को आवंटित किए गए।अधिकारियों के अनुसार, जांच का दायरा लगातार बढता जा रहा है। वित्तीय लेन-देन, बैंक खातों और संपत्तियों से जुडे.रिकॉर्ड की जांच की जा रही है ताकि धन के प्रवाह का पता लगाया जा सके और घोटाले से लाभान्वित अन्य व्यक्तियों की पहचान की जा सके। सूत्रों का कहना है कि जांच में नए साक्ष्य सामने आने के साथ ही आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां तथा कानूनी कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

उधारबंद ब्लॉक कार्यालय में नव-निर्वाचित विधायक ...

भट्टाचार्य तथा अस्थायी कर्मचारियों ने भी उन्हें सम्मान प्रदान किया। स्वागत भाषण में बीडीओ साधना काथारपी ने विधायक को शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र के विकास में उनके नेतृत्व की सराहना की। वहीं आंचलिक पंचायत अध्यक्ष सुमन केवट ने भी अपने विचार व्यक्त किए।अपने संबोधन में विधायक राजदीप ग्वाला ने विभिन्न ग्राम पंचायतों के अध्यक्षों, सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों से संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को सुना। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि विकास से जुडे.प्रत्येक कार्य को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढाया जाएगा।कार्यक्रम के अंत में ब्लॉक अकाउंटेंट बिमल साहू ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। समारोह के उपरांत विधायक राजदीप ग्वाला ने उधारबंद ब्लॉक परिसर में पौधारोपण भी किया।

इस अवसर पर मंच पर उधारबंद मंडल अध्यक्ष उमाशंकर भट्टाचार्य, काशीपुर मंडल अध्यक्ष, जिला परिषद सदस्य रोहित सिंह तथा जिला परिषद सदस्या दीप्ति शुक्ल बैद्य सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समारोह में ब्लॉक के विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और बडी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जिला टास्क फोर्स ने जिले में २७.८ लाख से अधिक....

समर्पण, दक्षता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया।विश्व स्वास्थ्य संगठन के निगरानी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अर्कादेब कार ने पोलियो उन्मूलन और टीकाकरण की स्थिति पर एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रस्तुति दी। उन्होंने वर्तमान वैश्विक महामारी विज्ञान की स्थिति, पोलियो उन्मूलन में प्राप्त सफलताओं, उभरती चुनौतियों और बीमारी के पुनरुद्भव को रोकने के लिए उच्च टीकाकरण कवरेज बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला।

बैठक में आगामी राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के लिए योजना, तैयारी, अंतर-विभागीय समन्वय, जन जागरूकता अभियान और कार्यान्वयन रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिले के सुदूरतम क्षेत्रों में भी सभी पात्र बच्चों तक पहुंचने के लिए प्रभावी सूक्ष्म-योजना और आईसीडीएस नेटवर्क सहित सभी सहयोगी विभागों की सक्रिय भागीदारी पर विशेष बल दिया गया। बैठक में रोटरी क्लब सिलचर के अध्यक्ष देवाशीष सोम ने विश्व स्तर पर पोलियो उन्मूलन में रोटरी इंटरनेशनल के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि टीकाकरण गतिविधियों में रोटरी की भागीदारी १९७९ में शुरू हुई, जब फिलीपींस में लगभग ६० लाख बच्चों को पोलियो का टीका लगाया गया था। इस पहल ने बाद में वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल के संस्थापक भागीदारी में से एक के रूप में रोटरी की भूमिका की नींव रखी, जिसे १९८८ में शुरू किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि पोलियो उन्मूलन विश्व स्तर पर रोटरी की मुख्य मानवीय सेवा परियोजना बनी हुई है।उन्होंने आगे बताया कि रोटरी क्लब सिलचर ट्रंक रोड पर स्थित अपने स्थायी टीकाकरण केंद्र के माध्यम से लंबे समय से महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब सिलचर नियमित टीकाकरण और बाल स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न पहलों को बढावा देने के लिए भविष्य में भी जिला स्वास्थ्य समिति और कछार जिला प्रशासन के साथ सहयोग जारी रखेगा।गौरतलब है कि ० से ५ वर्ष की आयु के कुल २,७८,०७३ बच्चों को टीका लगाने के लक्ष्य के साथ, कछार जिले में कुल १,३३५ टीकाकरण बूथ स्थापित करने की योजना बनाई गई है। इनमें १,२०८ सामान्य बूथ, ५९ दूरस्थ बूथ, २८ संस्थागत बूथ, ३८ ट्रांजिट बूथ और २ मोबाइल टीमें शामिल हैं। कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के लिए, जिले के विभिन्न हिस्सों में ५,२८० फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं, २६७ पर्यवेक्षकों और चिकित्सा अधिकारियों को तैनात किया गया है। कार्य योजना के अनुसार, पल्स पोलियो बूथ २८ जून, २०२६ को सुबह ८ बजे से शाम ४ बजे तक चालू रहेंगे। इस दौरान, टीकाकरण दल पांच वर्ष से कम आयु के सभी पात्र बच्चों को द्विसंयोजक मौखिक पोलियो वैक्सीन (बीओपीवी) की दो बूंदें पिलाएंगे। अगले दो दिनों तक घर-घर जाकर गहन टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पात्र बच्चा या परिवार टीकाकरण से वंचित न रह जाए।इस अवसर पर बोलते हुए, कछार स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त निदेशक डॉ. सुमाना नाइडिंग ने सभी संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को एक सशक्त और प्रभावी कार्य योजना अपनाने और उसे लागू करने का निर्देश दिया, जिसके माध्यम से पांच वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि जिले के बाहर से आने वाले या कार्यक्रम के दौरान अस्थायी रूप से रहने वाले बच्चों को भी टीकाकरण के दायरे में लाया जाना चाहिए। उन्होंने सार्वभौमिक टीकाकरण कवरेज प्राप्त करने के लिए सुनियोजित तैयारी, सावधानीपूर्वक निगरानी और जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्यान्वयन पर जोर दिया।इससे पहले, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण) डॉ. एम. आई. बरभुयान ने सभी संबंधित विभागों, विशेष रूप से आईसीडीएस विभाग और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों से कार्यक्रम के प्रति पूर्ण सहयोग और प्रतिबद्धता दिखाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर स्तर पर समन्वित प्रयासों से यह सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक पात्र बच्चे को इस जीवन रक्षक टीके का लाभ मिले और कार्यक्रम पोलियो रोकथाम के अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त कर सके। बैठक में भाग लेने वाले सभी विभागों और सहयोगी संगठनों ने राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए आपसी समन्वय के माध्यम से काम करने की दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की, और बैठक इसी प्रतिबद्धता के साथ समाप्त हुई। यह घोषणा असम के सिलचर स्थित सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के बराक घाटी क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में की गई।

कछार में ४.५ करोड.की मादक पदार्थ बरामद,....

गया। ट्रक से १४ साबुनदानी में रखी १७० ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। इस मामले में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान आजाद उद्दीन के रूप में की गयी है। इसी बीच जिला मुख्यालय शहर सिलचर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत, फतोक बाजार के पास, नशीले पदार्थों की छोटी-मोटी तस्करी करने वाले एक व्यक्ति (तस्कर) अजीम उद्दीन लस्कर उर्फ 'काला' को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान, उसके कब्जे से संदिग्ध हेरोइन से भरी कुल ३५ शीशियां बरामद की गईं, जिनका वजन लगभग १.७ ग्राम था। जबकि, सिलचर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत, सिलचर रेलवे स्टेशन के पास, नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाली एक महिला- गुल निहार बेगम लस्कर को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से १५ साबुनदानी में रखी २९८ ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई।इस बीच सोनाई पुलिस स्टेशन के अंतर्गत रशमीना बेगम (३१) और ममताज बेगम चौधरी (३७) को गुप्त सूचना के आधार पर सोनाई बाजार से गिरफ्तार किया गया। ये दोनों महिलाएं जिरिघाट पुलिस स्टेशन के अंतर्गत माखन नगर बस्ती की निवासी हैं। तलाशी के दौरान, उनके कब्जे से संदिग्ध हेरोइन से भरी ११ साबुनदानी बरामद की गई। बरामद संदिग्ध हेरोइन का कुल वजन १२२ ग्राम था।

डिगबोई में पुलिस ने फ्यूल चोरी के रैकेट...

दिया जाता था, जिससे तेल कंपनियों को काफी फाइनेंशियल नुकसान होता था और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होता था।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नेटवर्क के दूसरे सदस्यों की पहचान करने और गैर-कानूनी काम की पूरी हद का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है। अधिकारियों ने आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियों की संभावना से इनकार नहीं किया है। सीनियर पुलिस अधिकारियों ने संगठित फ्यूल चोरी पर नकेल कसने का अपना वादा दोहराया और चेतावनी दी कि ऐसी गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस सफल ऑपरेशन का स्थानीय लोगों और इंडस्ट्री के स्टेकहोल्डर्स ने स्वागत किया है, जिन्होंने असम के तेल उत्पादक क्षेत्रों में फ्यूल चोरी की बार-बार होने वाली घटनाओं पर चिंता जताई है। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि कानून लागू करने वाली एजेंसियों और तेल सेक्टर के अधिकारियों के बीच मिलकर की जाने वाली कोशिशें पूरे राज्य में पेट्रोलियम ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जारी रहेंगी।

गोलाघाट में भोना विवाद के बाद धारदार हथियार से हमले में एक परिवार के चार सदस्य घायल

गोलाघाट (अर्णव शर्मा) ४ जून :: असम के गोलाघाट जिले के एक गांव में तनाव फैल गया, जब एक पारंपरिक भोना शो से जुडे.विवाद के बाद एक परिवार के चार सदस्यों पर कथित तौर पर धारदार हथियारों से हमला किया गया।रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना भोना, जो एक लोकप्रिय पारंपरिक असमिया नाटक है, के मंचन से जुडे.मुद्दों पर दो ग्रुप्स के बीच हुई कहासुनी के बाद हुई। जो शुरूमें एक बहस से शुरूहुआ, वह कथित तौर पर एक हिंसक टकराव में बदल गया।झडप के दौरान, एक ही परिवार के चार सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जब कुछ लोगों के एक ग्रुप ने उन पर धारदार हथियारों से हमला किया। घायलों को तुरंत पास के एक मेडिकल सेंटर ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। सूत्रों ने कहा कि कुछ पीडितों को गहरे घाव लगे हैं, हालांकि उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।घटना के बाद, स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया, जो तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरूकी। तनाव को और बढने से रोकने के लिए इलाके में सुरक्षा कडी कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हमले में शामिल सभी लोगों की पहचान करने और उन्हें पकडने की कोशिश की जा रही है। केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। इस घटना से गांव वालों में चिंता फैल गई है, और कई लोगों ने अधिकारियों से गुंडों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और इलाके में शांति बनाए रखने की मांग की है।--

भारत-म्यांमार बॉर्डर के गांववालों को पंगसौ पास पर मेडिकल और आई केयर कैंप से फायदा हुआ

चांगलांग (अरुणाचल प्रदेश) (अर्णव शर्मा) ४ जून :: भारत-म्यांमार बॉर्डर पर एक बडी मानवीय मदद के तहत, पूर्वी अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले के पंगसौ पास पर एक बडा मेडिकल कैंप और मेगा आई चेक-अप कैंप लगाया गया। यह प्रोग्राम असम राइफल्स ने मिलकर चलाया, जिसमें डिब्रूगढ.के NGO ब्राइट विजन छ्ए और अरुणाचल प्रदेश पुलिस का सपोर्ट था। पंगसौ पास, जो भारत और म्यांमार के बीच की सीमा को दिखाता है, एक अहम बॉर्डर पॉइंट है, जहां पडोसी म्यांमार के गांवों के लोगों का जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिला। ऑर्गनाइजर के मुताबिक, म्यांमार से करीब ४०० गांववाले दिन भर चले कैंप के दौरान दी जाने वाली फ्री हेल्थकेयर सर्विस का फायदा उठाने के लिए आए थे। असम राइफल्स के डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ.की एक टीम ने, ब्राइट विजन छ्ए के आई स्पेशलिस्ट के साथ मिलकर फायदा उठाने वालों के लिए आम हेल्थ जांच और आंखों की पूरी जांच की। अलग-अलग बीमारियों से पीडित मरीजों को जरूरी दवाएँ दी गई, जबकि जिन्हें आँखों की समस्या थी, उन्हें बहुत कम कीमत पर चश्मे दिए गए। कैंप के सबसे दिल को छू लेने वाले पलों में से एक म्यांमार की १०४ साल की एक महिला का होना था, जो आँखों के चेक-अप कैंप में शामिल होने के लिए आई थीं। उनके शामिल होने से दूर के बॉर्डर इलाकों में आसानी से मिलने वाली हेल्थकेयर सेवाओं की तुरंत जरूरत पर जोर दिया गया और ऐसी मानवीय पहलों के असर को भी दिखाया गया। म्यांमार के स्थानीय निवासियों ने मेडिकल मदद के लिए शुक्रिया अदा किया, और कहा कि देश के कई हिस्सों में हेल्थकेयर सुविधाएँ और ट्रेंड मेडिकल कर्मचारी अभी भी कम हैं। कई फायदों ने बताया कि खराब इंफ्रास्ट्रक्चर और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की कमी के कारण अच्छी मेडिकल सेवाओं तक पहुँच अक्सर मुश्किल होती है। कैंप ने न सिर्फ.तुरंत हेल्थकेयर जरूरतों को पूरा किया, बल्कि इंटरनेशनल बॉर्डर के पार सद्भावना और लोगों के बीच संपर्क का भी प्रतीक बना। फायदों ने भारत सरकार, असम राइफल्स, अरुणाचल प्रदेश पुलिस और ब्राइट विजन छ्ए को इस इलाके में जरूरी मेडिकल सेवाएँ लाने और बॉर्डर पर रहने वाले समुदायों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए धन्यवाद दिया। यह पहल सुरक्षा बलों और सिविल सोसाइटी संगठनों की मानवीय सहयोग को बढावा देने और दूर-दराज के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों को हेल्थकेयर सपोर्ट देने की लगातार प्रतिबद्धता को दिखाती है।

अरुणाचल के पूर्वी जिलों में उग्रवाद को रोकने के लिए केंद्र सरकार म्यांमार बॉर्डर पर फेंसिंग पर जोर दे रही है

ईटानगर: (अर्णव शर्मा) ४ जून :अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी जिलों तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग में लंबे समय से चली आ रही उग्रवाद की समस्या को हमेशा के लिए हल करने के मकसद से एक अहम कदम उठाते हुए, केंद्र सरकार ने भारत-म्यांमार बॉर्डर पर एक बडी बॉर्डर फेंस बनाने का काम तेज.कर दिया है। इस बडे.प्रोजेक्ट का मकसद बॉर्डर सिक्योरिटी को मजबूत करना, उग्रवादियों की बॉर्डर पार आवाजाही पर रोक लगाना और उन लॉजिस्टिक नेटवर्क को खत्म करना है जिन्होंने दशकों से इस इलाके में उग्रवादी गतिविधियों को बनाए रखा है।म्यांमार भारत के साथ चार नॉर्थ-ईस्ट राज्यों्अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर और नागालैंड्से होकर १,६४३ किलोमीटर लंबी इंटरनेशनल बॉर्डर शेयर करता है। अरुणाचल प्रदेश में बॉर्डर का सबसे लंबा हिस्सा ५२० किलोमीटर है, इसके बाद मिजोरम (५१० ज्ञा), मणिपुर (३९८ ज्ञा) और नागालैंड (२१५ ज्ञा) हैं।बॉर्डर फेंसिंग का काम बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (इठज) सिक्योरिटी एजेंसियों की देखरेख में कर रहा है। बॉर्डर पर तैनात सैनिक कडी निगरानी रख रहे हैं और साथ ही इस मुश्किल काम में लगे कंस्ट्रक्शन कर्मचारियों को सिक्योरिटी कवर भी दे रहे हैं।चांगलांग जिले के पंगसाऊ पास सेक्टर में स्ट्रेटेजिक रूप से जरूरी फेंसिंग प्रोजेक्ट पर काम पिछले साल नवंबर में शुरूहुआ था और मुश्किल इलाके, खराब मौसम और इलाके में सक्रिय विद्रोही ग्रुप्स से सुरक्षा खतरों के बावजूद यह जारी रहा है।ऑफिशियल सोर्स के मुताबिक, केंद्र ने पूरे भारत-म्यांमार बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए लगभग ३१,००० करोड.रुपये मंजूर किए हैं, साथ ही प्रोजेक्ट में तेजी लाने और इसे समय पर पूरा करने के साफ.निर्देश दिए हैं। यह पहल बॉर्डर मैनेजमेंट को मजबूत करने और गैर-कानूनी घुसपैठ, स्मगलिंग और विद्रोही मूवमेंट को रोकने के लिए एक बडी नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी का हिस्सा है।सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स का मानना ??है कि फेंसिंग प्रोजेक्ट के पूरा होने से उग्रवादी कैडर की मूवमेंट में काफी कमी आएगी, जो पारंपरिक रूप से भारत और म्यांमार के बीच आने-जाने, ठिकाने बनाने और लॉजिस्टिक सपोर्ट पाने के लिए खुली इंटरनेशनल बॉर्डर का इस्तेमाल करते रहे हैं। खबर है कि इस प्रोजेक्ट का इलाके में एक्टिव कई बागी ग्रुप्स ने विरोध किया है, जो बॉर्डर बैरियर को अपने ऑपरेशन्स में एक बडी रुकावट मानते हैं। ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब कंस्ट्रक्शन टीमों की सुरक्षा के लिए तैनात सिक्योरिटी वालों पर मिलिटेंट ग्रुप्स ने हमला किया। हालांकि, सिक्योरिटी फोर्सेस ने असरदार तरीके से जवाब दिया और यह पक्का किया कि काम बिना किसी बडी रुकावट के चलता रहे।अधिकारियों का कहना है कि बॉर्डर फेंसिंग की पहल से न सिर्फ नेशनल सिक्योरिटी मजबूत होगी, बल्कि पूर्वी अरुणाचल प्रदेश के बागीपन से प्रभावित जिलों में लंबे समय तक शांति, स्थिरता और डेवलपमेंट में भी मदद मिलेगी। एक बार पूरा होने के बाद, यह प्रोजेक्ट भारत की अपनी नॉर्थ-ईस्ट सीमा को सुरक्षित करने और बॉर्डर पार से बागीपन से पैदा होने वाली चुनौतियों को खत्म करने की कोशिशों में एक बडा मील का पत्थर साबित होगा।

३२वीं असम पुलिस बटालियन में आयुष्मान आरोग्य कैंप लगा, TB-फ्री इंडिया मिशन को मजबूती मिली

डिब्रूगढ. (अर्णव शर्मा) ४ जून :: TB-फ्री इंडिया के विजन को पाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, नेशनल ट्यूबरकुलोसिस एलिमिनेशन प्रोग्राम (NTEP), डिब्रूगढ.ने चल रहे ढइ मुक्त भारत अभियान के फेज.II के तहत, ३२वीं असम पुलिस बटालियन, चबुआ साइडिंग में एक आयुष्मान आरोग्य कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कैंप द हंस फाउंडेशन (THF) के साथ मिलकर और ३२वीं असम पुलिस बटालियन के एक्टिव सपोर्ट से लगाया गया था। हेल्थ कैंप का मुख्य मकसद ट्यूबरकुलोसिस (ढइ) का जल्दी पता लगाना, समय पर डायग्नोसिस और इलाज पक्का करना, और पुलिसवालों और उनके परिवार वालों में हेल्थ के बारे में जागरूकता बढाना था। इस पहल की एक खास बात ऑन-साइट TB स्क्रीनिंग के लिए एक मॉडर्न हैंडहेल्ड डिजिटल द-रीू मशीन का इस्तेमाल था, जिससे हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को शुरुआती स्टेज में ही संदिग्ध मामलों की पहचान करने और तुरंत मेडिकल मदद शुरूकरने में मदद मिली। TB स्क्रीनिंग के अलावा, कैंप में पूरी सेहत को बढावा देने के मकसद से कई जरूरी हेल्थकेयर सर्विस भी दीं गई। पार्टिसिपेंट्स का रैंडम ब्लड शुगर (RBS) टेस्टिंग, हीमोग्लोबिन (Hb%) असेसमेंट, बॉडी मास इंडेक्स (BMI) इवैल्यूएशन, और न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्टिंग (NAAT) के लिए स्प्यूटम सैंपल कलेक्शन किया गया, जो ट्यूबरकुलोसिस का पता लगाने का एक बहुत सेंसिटिव डायग्नोस्टिक तरीका है। मेडिकल टीमों और हेल्थ एक्सपर्ट्स ने भी अवेयरनेस सेशन किए, जिसमें शामिल लोगों को ढइ के लक्षण, बचाव, इलाज और मैनेजमेंट के बारे में बताया गया। बीमारी को खत्म करने के लिए रेगुलर हेल्थ चेक-अप, जल्दी डायग्नोसिस, इलाज का पालन और कम्युनिटी की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया गया। हेल्थ अधिकारियों ने बताया कि ढइ मुक्त भारत अभियान के दूसरे फेज.के तहत, डिब्रूगढ. जिले के अलग-अलग हिस्सों में इसी तरह के आउटरीच कैंप लगाए जा रहे हैं ताकि यह पक्का किया जा सके कि हेल्थकेयर सर्विस कमजोर और ज्यादा जोखिम वाले लोगों तक पहुँचें। इस पहल का मकसद ढइ के मामलों की जल्द से जल्द पहचान करना है, जिससे ट्रांसमिशन कम हो और इलाज के नतीजे बेहतर हों।

अधिकारियों ने आगे बताया कि ऐसे हेल्थ कैंप न केवल ट्यूबरकुलोसिस के खिलाफ लडाई को तेज.करने में बल्कि कम्युनिटी के बीच दूसरी हेल्थ चिंताओं के बारे में अवेयरनेस बढाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने दोहराया कि समय पर स्क्रीनिंग, डायग्नोसिस और इलाज से ढइ को एक पब्लिक हेल्थ चुनौती के तौर पर असरदार तरीके से कंट्रोल किया जा सकता है और आखिर में खत्म किया जा सकता है। यह पहल नेशनल हेल्थ मिशन (NHM), असम, डिस्ट्रिक्ट हेल्थ सोसाइटी, डिब्रूगढ.और डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन के TB-फ्री इंडिया के नेशनल लक्ष्य को पाने के लिए लगातार कमिटमेंट को दिखाती है। अधिकारियों ने भविष्य में इसी तरह के कम्युनिटी-बेस्ड इंटरवेंशन के जरिए हेल्थकेयर आउटरीच को बढाने, अच्छी हेल्थकेयर सर्विस तक पहुंच पक्का करने और पूरे इलाके में प्रिवेंटिव हेल्थकेयर सिस्टम को मजबूत करने के लिए अपने डेडिकेशन को कन्फर्म किया। आयुष्मान आरोग्य कैंप का सफल आयोजन हेल्थकेयर एजेंसियों, सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन और सिक्योरिटी इंस्टीट्यूशन के बीच मिलकर किए गए प्रयासों के महत्व को दिखाता है, ताकि पब्लिक हेल्थ को आगे बढाया जा सके और कम्युनिटी की भलाई को सुरक्षित रखा जा सके।

हुगरीजन गांव पंचायत ने असम को नेशनल लेवल पर पहचान दिलाई, पंचायत अवॉर्ड में दूसरा स्थान हासिल किया

डिब्रूगढ. (अर्णव शर्मा) ४ जून :: असम और खासकर डिब्रूगढ.जिले के लिए बहुत गर्व की बात है, हुगरीजन गांव पंचायत ने असेसमेंट ईयर २०२३-२४ के लिए जाने-माने दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार के तहत नेशनल लेवल पर दूसरा पुरस्कार हासिल करके नेशनल पहचान हासिल की है।यह अवॉर्ड पंचायती राज मंत्रालय ने देश भर के पंचायती राज संस्थानों के शानदार प्रदर्शन को पहचान देने वाले एक बडे.नेशनल समारोह के दौरान दिया। हुगरीजन गांव पंचायत ने ङ्गपंचायत में आत्मनिर्भर इंफ्रास्ट्रक्चरङ्ग की कैटेगरी में यह खास उपलब्धि हासिल की, जो सस्टेनेबल ग्रामीण विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और जमीनी स्तर पर शासन के लिए इसके शानदार कमिटमेंट को दिखाता है।यह जाना-माना अवॉर्ड केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह और पंचायती राज राज्य मंत्री एस. पी. सिंह बघेल ने भारत भर के अलग-अलग राज्यों और लोकल सेल्फ-गवर्नेंस संस्थानों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में दिया। इस कामयाबी ने असम को नेशनल लेवल पर बडी पहचान दिलाई है, जिससे ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और आत्मनिर्भर गांव के शासन को बढावा देने में राज्य की तरक्की पर रोशनी पडी है। यह अवॉर्ड पंचायत प्रतिनिधियों, लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और हुगरीजन के लोगों के डेडिकेशन, इनोवेशन और मिलकर किए गए प्रयासों का सबूत है।सेरेमनी में मौजूद लोगों में असम के कैबिनेट मिनिस्टर रामेश्वर तेली भी थे, जिन्होंने असम की सभी अवॉर्ड जीतने वाली गांव पंचायतों को बधाई दी। उन्होंने उनकी शानदार कामयाबियों की तारीफ की और पूरे राज्य में ग्रामीण विकास और सबको साथ लेकर चलने की दिशा में लगातार सहयोग और कमिटमेंट के महत्व पर जोर दिया। हुगरीजन गांव पंचायत को नेशनल लेवल पर मिली पहचान को डिब्रूगढ.जिले और पूरे असम के लिए एक बडी कामयाबी के तौर पर मनाया जा रहा है। यह जमीनी स्तर पर शासन के बढते असर को दिखाता है और दिखाता है कि कैसे फोकस्ड प्लानिंग, कम्युनिटी की भागीदारी और सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ग्रामीण समुदायों को बदल सकते हैं। स्थानीय निवासियों, पब्लिक प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने इस कामयाबी पर खुशी जताई है, और इसे एक ऐसा मील का पत्थर बताया है जो राज्य भर की दूसरी पंचायतों को शासन, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और पब्लिक सर्विस डिलीवरी में बेहतरीन काम करने के लिए प्रेरित करेगा। यह प्रतिष्ठित सम्मान न केवल हुगरीजन गाँव पंचायत का रुतबा बढाता है, बल्कि भारत के टिकाऊ और आत्मनिर्भर ग्रामीण विकास के विजन में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में असम की स्थिति को भी मजबूत करता है।

तिनसुकिया में जनगणना २०२७ के लिए डिस्ट्रिक्ट लेवल ट्रेनिंग शुरू

तिनसुकिया:(अर्णव शर्मा) ४ जून : जनगणना २०२७ (हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस - क्ढज) के पहले फेज.पर तीन दिन का डिस्ट्रिक्ट लेवल ट्रेनिंग प्रोग्राम गुरुवार को तिनसुकिया के गेलापुखुरी में कन्वेंशन सेंटर में शुरू हुआ। यह प्रोग्राम डायरेक्टरेट ऑफ.सेंसस ऑपरेशंस, असम ने ऑर्गनाइज.किया है और ६ जून तक चलेगा।शुरुआती सेशन के दौरान, पार्टिसिपेंट्स को हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस के अलग-अलग पहलुओं के बारे में बताया गया, जो जनगणना २०२७ का पहला फेज.है। अधिकारियों ने जनगणना करने के प्रोसेस, जिम्मेदारियों और ऑपरेशनल फ्रेमवर्क पर रोशनी डाली।अधिकारियों के मुताबिक, जनगणना २०२७ पूरी तरह से डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए दो फेज.में की जाएगी। पहला फेज, जिसमें हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस एक्टिविटीज.शामिल हैं, पूरे असम में १७ अगस्त से १५ सितंबर, २०२६ तक किया जाएगा।असम के निवासियों को २ अगस्त से १६ अगस्त, २०२६ तक एक डेडिकेटेड सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल के जरिए अपनी जानकारी जमा करने का मौका भी मिलेगा। दूसरा फेज, पॉपुलेशन एन्यूमरेशन (झए), फरवरी २०२७ में होने वाला है।ट्रेनिंग प्रोग्राम में रिसोर्स पर्सन में प्रशांत कुमार, असिस्टेंट डायरेक्टर (इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) और सुपरवाइजरी ऑफिसर, डायरेक्टरेट ऑफ.सेंसस ऑपरेशंस, असम, और अर्जुन तालुकदार, एडवाइजर (रिटायर्ड) शामिल थे। उन्होंने चार्ज ऑफिसर्स, असिस्टेंट चार्ज ऑफिसर्स, एन्यूमरेटर्स, सुपरवाइजर्स और सेंसस प्रोसेस में शामिल दूसरे लोगों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर डिटेल्ड ट्रेनिंग दी।इस प्रोग्राम में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर और डिस्ट्रिक्ट सेंसस ऑफिसर पंकज कुमार नागबंशी के साथ-साथ डिगबोई, मकुम, डूमडूमा, मार्गेरिटा और सादिया सबडिवीजन के सब-डिविजनल सेंसस ऑफिसर्स और एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारी शामिल हुए। असिस्टेंट कमिश्नर और एडिशनल डिस्ट्रिक्ट सेंसस ऑफिसर मधुरिमा दिहिंगिया, डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ऑफिसर शंकर दास भुयान, चार्ज सेंसस ऑफिसर, एडिशनल चार्ज ऑफिसर और दूसरे सेंसस अधिकारी भी मौजूद थे।इस ट्रेनिंग का मकसद तिनसुकिया जिले में देश भर में सेंसस २०२७ की प्रक्रिया को आसानी से और अच्छे से लागू करना पक्का करना है।

रामकृष्णनगर शिक्षा खंड के स्कूलों में संगीत शिक्षकों ....

नियुक्ति नहीं की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि संगीत शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पढाई के साथ-साथ खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियां और संगीत शिक्षा भी आवश्यक हैं, किंतु इस दिशा में सरकार द्वारा अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।क्षेत्र के संगीत प्रेमियों और कलाकारों ने बताया कि यह समस्या नई नहीं है, बल्कि कई वर्षों से चली आ रही है। रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र के अधिकांश हाई स्कूलों, हायर सेकेंडरी स्कूलों और कॉलेजों में संगीत विषय के लिए अलग से कोई नियमित शिक्षक नहीं है। इसके बावजूद संगीत में विशारद और अन्य उच्च डिग्रियां प्राप्त अनेक प्रशिक्षित कलाकार रोजगार से वंचित हैं।स्थानीय संगीत शिक्षकों का कहना है कि पूर्व में कांग्रेस और असम गण परिषद की सरकारों के दौरान भी इस विषय पर कोई ठोस पहल नहीं हुई। वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के दस वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बावजूद संगीत शिक्षकों के स्थायी पदों के सृजन और नियुक्ति की दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है।हालांकि, पिछले कुछ वर्षों से क्षेत्र के कुछ संगीत शिक्षक और शिक्षिकाएं विभिन्न विद्यालयों में अस्थायी रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि संगीत शिक्षा के महत्व को देखते हुए शीघ्र स्थायी पदों का सृजन कर योग्य एवं प्रशिक्षित संगीत शिक्षकों की नियुक्ति की जाए।क्षेत्र के सांस्कृतिक संगठनों और संगीत प्रेमियों ने भी सरकार से इस विषय पर गंभीरता से विचार करने तथा विद्यालयों में संगीत शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपील की है।

दिल्ली अग्निकांड: झूठी निकली सिलेंडर ब्लास्ट की कहानी, फॉरेंसिक जांच में सामने आया असली विलेन

नई दिल्ली. (एजें) ४ जून :: देश की राजधानी दिल्ली का मालवीय नगर इलाका बुधवार की सुबह चीख-पुकार से दहल उठा। यहाँ के 'फ्लोरिश स्टे इ।इ' होटल में लगी भीषण आग ने देखते ही देखते २१ मासूम जिंदगियों को लील लिया। इस दर्दनाक हादसे ने पूरी दिल्ली को हिलाकर रख दिया है। घटना के बाद से ही पुलिस, क्राइम ब्रांच और फॉरेंसिक टीमें मलबे से सच निकालने की कोशिश में जुटी हैं। शुरुआती जांच में जो बातें सामने आ रही हैं, वे किसी खौफनाक साजिश या भारी लापरवाही की तरफ इशारा करती हैं।हादसे के तुरंत बाद यह आशंका जताई जा रही थी कि होटल में मौजूद रसोई गैस (ङ्गझ्र) सिलेंडरों में विस्फोट होने के कारण यह तबाही मची। होटल के बेसमेंट और सबसे ऊपरी मंजिल पर दो सक्रिय रसोइयां चल रही थीं, जहाँ कई सिलेंडर मौजूद थे। लेकिन दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने इस थ्योरी को पूरी तरह खारिज कर दिया है। जांचकर्ताओं को मौके पर किसी भी सिलेंडर के फटने या गैस विस्फोट के सबूत नहीं मिले हैं। तो आखिर वह क्या था जिसने चंद मिनटों में पूरी इमारत को आग का गोला बना दिया? दीवारों के पीछे छिपा 'साइलेंट किलर' फॉरेंसिक विशेषज्ञों और पुलिस का मानना है कि इस तबाही की असली वजह होटल की दीवारों के भीतर दौड.रहा वायरिंग नेटवर्क था। शुरुआती निष्कर्षों के अनुसार, इमारत की अंदरूनी वायरिंग में हुआ एक

भयानक शॉर्ट सर्किट ही इस त्रासदी का मुख्य सूत्रधार था। अधिकारियों का कहना है कि बिजली की खराबी के कारण लगी आग इतनी तेजी से फैलती है कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिलता। अंदरूनी बिजली के सिस्टम ने यहाँ एक 'साइलेंट किलर' की भूमिका निभाई, जिसने देखते ही देखते धुएं और लपटों का जाल बुन दिया। छह कमरों की आड.में 'मौत का भूलभुलैया'

जैसे-जैसे जांच का दायरा बढ.रहा है, होटल प्रबंधन की काली करतूतें सामने आ रही हैं। दस्तावेजों के मुताबिक, इस जगह को सिर्फ ६ कमरे संचालित करने की अनुमति दी गई थी। लेकिन लालच की इंतहा देखिए-यहां नियमों को ताक पर रखकर लगभग २५ कमरे चलाए जा रहे थे। इतना ही नहीं, सुरक्षा मानकों को दरकिनार कर बेसमेंट में भी रहने के इंतजाम किए गए थे और बिना किसी प्रशासनिक मंजूरी के अतिरिक्त मंजिलें खडी कर दी गई थीं। अनुमति से चार गुना ज्यादा क्षमता वाले इस होटल ने तबाही के बेसमेंट को खुद तैयार किया था।

बंद खिडकियां और सेंसर डोर: जब रास्ते ही दुश्मन बन गए

जब आग भडक़ी, तब होटल में चीख-पुकार मच गई, लेकिन बदकिस्मती से पीडितों के लिए भागने के सारे रास्ते बंद थे। जांच टीमें अब उन गंभीर ढांचागत चूकों की पडताल कर रही हैं जिन्होंने लोगों को जाल में फंसा दिया: सेंसर से चलने वाला मुख्य दरवाजा: बिजली कटते ही मुख्य डिजिटल दरवाजा लॉक हो गया, जिससे बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया। सील की गई खिडकियां: होटल की खिडकियां पूरी तरह सील थीं, जिसकी वजह से जहरीला धुआं बाहर नहीं निकल पाया और लोग अंदर ही घुटने लगे। एकमात्र निकास मार्ग: पूरी इमारत में आने-जाने का केवल एक ही संकरा रास्ता था, जिससे भगदड.जैसी स्थिति बन गई। इस होटल में ठहरे अधिकांश लोग विदेशी नागरिक थे, जो दिल्ली के बडे.अस्पतालों में अपना इलाज कराने या अपने बीमार रिश्तेदारों की तीमारदारी के लिए यहां आए थे। उन्हें क्या पता था कि जिस आशियाने को उन्होंने आराम के लिए चुना है, वही उनकी कब्रगाह बन जाएगा।दिल्ली पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए होटल के मालिक लवकेश बजाज को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इछड) की कई गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें गैर-इरादतन हत्या (जो हत्या की श्रेणी में नहीं आती), लापरवाही से जान जोखिम में डालना और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे संगीन आरोप शामिल हैं। फिलहाल, क्राइम ब्रांच और फॉरेंसिक टीमें घटनाक्रम को दोबारा री-क्रिएट कर रही हैं। गवाहों, बचे हुए कर्मचारियों और स्थानीय दुकानदारों से पूछताछ जारी है। इस मामले में फॉरेंसिक की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद कई और बडे.चेहरों पर कानून का शिकंजा कसना तय माना जा रहा है।

ये हैं मालवीय नगर अग्निकांड के 'मसीहा' रियाजुद्दीन, २ लाख के गद्दे बिछाकर बचाई १२ जिंदगिया

नई दिल्ली. (एजें) ४ जून : दिल्ली के मालवीय नगर के होटल फ्लोरिस स्टे में बुधवार को हुए अग्निकांड को जिसने की देखा उसकी रूह कांप गई. हर तरफ आग की लपटों के बीच जिंदगी के लिए जद्दोजहद करते वहां फंसे लोग इतने बेबस थे कि वह एक उम्मीद की छोटी सी किरण का इंतजार कर रहे थे. आग में २१ लोगों की मौत हो गई. लेकिन ४९ लोगों की जान बचा ली गई. आग इतनी भयावह थी कि अंदर फंसे लोगों को बाहर जान बचाने के लिए खिडकियों से कूदना पडा. आग और धुएं के गुबार के बीच जब होटल में मेहमान जिंदगी के लिए जद्दोजहद कर रहे थे तब रियाजुद्दीन उनके लिए फरिश्ता बनकर पहुंचे.दरअसल रियाजुद्दीन होटल वाली गली के पास गद्दों की दुकान चलाते हैं. जब उन्होंने देखा कि लोग खिडक़ी से नीचे कूद रहे हैं तो उन्होंने बिना कुछ सोचे २ लाख रुपये के गद्दे दुकान से निकालकर सडक़ पर बिछा दिए, ताकि लोग कूदें तो उनको बहुत ज्यादा चोट न लगे. हालांकि अग बुझ चुकी है, घायल अस्पताल में भती हैं, लेकिन रियाजुद्दीन के चेहरे पर एक अलग ही सुकून है.रियाजुद्दीन को इस बात का सुकून है कि गद्दे बिछाकर वह ८ से १२ लोगों की जान बचा पाए. एनडीटीवी से बातचीत में उन्होंने कहा, ' दो लाख रुपए के गद्दे मैंने लोगों को बचाने के लिए बिछा दिए, मुझे सुकून है कि गद्दों की वजह से ८-१२ लोगों की जान बच गई और उनको सिर्फ मामूली चोट आई है.'

मेरे २ जवान बच्चे हैं... कलयुगी मां ने थैली में पैक कर कचरे में फेंका नवजात, कुत्ते नोच रहे थे तभी खुला राज

अहमदाबाद, (एजें) ी जून : गुजरात के सूरत से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। एक नवजात शिशु की लाश प्लास्टिक की थैली में बंद हालत में कचरे के ढेर के पास मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शुरुआत में यह एक रहस्यमयी घटना लग रही थी, लेकिन जब पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया तो सामने आई सच्चाई ने लोगों को हैरान कर दिया। जांच में पता चला कि मृत नवजात को उसकी अपनी मां ने ही कचरे के ढेर में फेंक दिया था।पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब सीसीटीवी कैमरों में आवारा कुत्ते एक प्लास्टिक की थैली को कचरे के ढेर से खींचकर सडक़ पर लाते हुए दिखाई दिए। स्थानीय लोगों ने जब थैली की जांच की तो उसमें एक दिन के आसपास का मृत नवजात शिशु मिला। घटना की सूचना मिलते ही चौक बाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिससे जांच की दिशा पूरी तरह बदल गई।फुटेज में एक महिला देर रात हाथ में काले रंग की प्लास्टिक थैली लेकर जाती हुई दिखाई दी। पुलिस ने उसके आने-जाने के रास्तों और गतिविधियों का बारीकी से विश्लेषण किया। तकनीकी जांच और स्थानीय स्तर पर पूछताछ के बाद पुलिस उस महिला तक पहुंचने में सफल रही। जांच में सामने आया कि यह महिला ही नवजात शिशु की मां थी। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उसने पूरे मामले का खुलासा कर दिया।पूछताछ में ४३ वर्षीय महिला ने बताया कि उसके पहले से ही दो जवान बच्चे हैं। इस उम्र में दोबारा गर्भवती होने के कारण वह सामाजिक तानों और बदनामी के डर से परेशान थी। महिला के अनुसार, उसने समय से पहले एक बच्चे को जन्म दिया था। उसने स्वीकार किया कि घर में किसी के मौजूद न होने पर उसने नवजात को जन्म दिया और बाद में पूरी बात छिपाने के लिए बच्चे को प्लास्टिक की थैली में पैक कर कचरे के ढेर में फेंक दिया।पुलिस के मुताबिक, घटना २५ मई २०२६ की रात करीब एक बजे की है। आरोपी महिला की पहचान हेमलताबेन विरेंद्रसिंह बारिया के रूप में हुई है, जो घरेलू कामकाज करके अपना जीवनयापन करती है। चौक बाजार पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इछड) २०२३ की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।फिलहाल पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि नवजात की मौत जन्म से पहले हुई थी या जन्म के बाद किसी अन्य कारण से। यह घटना एक बार फिर समाज के उस कड़वे सच को सामने लाती है, जहां लोक-लाज और सामाजिक दबाव कभी-कभी इंसान को ऐसे कदम उठाने पर मजबूर कर देते हैं, जिनकी कल्पना भी मुश्किल है।

मुंद्रा पोर्ट बना ड्रग्स सिंडिकेट का नया हब? ५ वीं बार करोडों की खेप बरामद, देश की जनता जवाब मांग रही है- प्रदेश प्रवक्ता, झारखंड कांग्रेस

अनिल मिश्र/रांची गुजरात का मुंद्रा पोर्ट एक बार फिर देश और दुनिया के सामने गंभीर सवालों के केंद्र में है। २५-२६ मई २०२६ को मुंद्रा के पास लगभग ११५ किलो कोकीन, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग ?११५० करोड.बताई जा रही है, बरामद की गई। यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि पिछले कई वर्षों से लगातार सामने आ रही घटनाओं की एक और कडी है। इससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर मुंद्रा पोर्ट व्यापार का केंद्र है या अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट का नया सुरक्षित हब बन चुका है?उपरोक्त बातें आज झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने कही। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ङ्गनशा मुक्त भारतङ्घ का नारा देती है, लेकिन हकीकत यह है कि देश के सबसे चर्चित निजी बंदरगाहों में से एक मुंद्रा पोर्ट पर बार-बार हजारों करोड.रुपये की ड्रग्स पकडी जा रही है।इस संबंध में नायक ने उदाहरण देते हुए कहा कि सितंबर २०२१ में मुंद्रा पोर्ट पर लगभग २९८८ किलो हेरोइन बरामद हुई थी, जिसकी कीमत हजारों करोड.रुपये आंकी गई थी और जिसका संबंध अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क तथा आतंकवाद वित्तपोषण से भी जोडा गया था। इसके बाद वर्ष २०२२ में ७५ किलो से अधिक हेरोइन और अन्य मादक पदार्थ जब्त किए गए। वर्ष २०२४ में उऋड मुंद्रा से ९४ लाख से अधिक ट्रामाडोल टैबलेट्स की दो बडी खेपें पकडी गई। संसदीय आंकडों के अनुसार २०२१ से २०२५ के बीच गुजरात के बडे.बंदरगाहों से जुडे.ड्रग्स मामलों में सबसे अधिक मामले मुंद्रा पोर्ट से जुडे.पाए गए। उन्होंने कहा कि सबसे बडा प्रश्न यह है कि २०२१ में इतनी बडी हेरोइन खेप पकडे. जाने के बाद भाजपा सरकार ने दावा किया था कि सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह मजबूत कर दिया गया है। यदि सुरक्षा इतनी मजबूत थी, तो फिर २०२२, २०२४ और अब २०२६ में हजारों करोड.रुपये की ड्रग्स आखिर देश में कैसे प्रवेश कर गई? क्या मुंद्रा पोर्ट की सुरक्षा केवल कागजों पर है? या फिर ड्रग्स तस्करों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है?इस बीच नायक ने कहा कि छोटे-छोटे मामलों में मीडिया ट्रायल करने वाली भाजपा सरकार और उसकी एजेंसियां इन बडे.अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स नेटवर्क पर रहस्यमयी चुप्पी क्यों साध लेती हैं? आखिर गुजरात ही बार-बार अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करों का प्रवेश द्वार क्यों बन रहा है? यह केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और देश के युवाओं के भविष्य से जुडा गंभीर प्रश्न है।उन्होंने आरोप लगाया कि देश के युवाओं को नशे के दलदल में धकेलने वाली शक्तियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने के बजाय भाजपा सरकार और अदानी प्रबंधन लगातार चुप्पी साधे हुए हैं। करोडों रुपये की ड्रग्स बार-बार मुंद्रा पोर्ट पर मिलना और सरकार का मौन रहना अत्यंत चिंताजनक तथा संदेह पैदा करने वाला है।

कांग्रेस पार्टी की ओर से श्री नायक ने मांग की कि:

१. मुंद्रा पोर्ट से जुडे.सभी ड्रग्स मामलों की उच्चस्तरीय ढ्ढळ अथवा न्यायिक जांच कराई जाए।

२. वर्ष २०२१ से २०२६ तक दर्ज सभी मामलों की प्रगति रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

३. पोर्ट सुरक्षा व्यवस्था की स्वतंत्र और निष्पक्ष ऑडिट कराई जाए।

४. ड्रग्स तस्करी में शामिल या संरक्षण देने वाले अधिकारियों एवं राजनीतिक तत्वों पर कठोर कार्रवाई हो।

५. राष्ट्रीय सुरक्षा से जुडे.मामलों पर केंद्र सरकार देश की जनता को स्पष्ट जवाब दे।नायक ने कहा कि देश की जनता को यह जानने का पूरा अधिकार है कि आखिर मुंद्रा पोर्ट पर वास्तविक व्यापार हो रहा है या देश के युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने की साजिश संचालित की जा रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड.किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।अंत में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार और अदानी प्रबंधन अब चुप्पी तोडें.और देश की जनता को जवाब दें कि आखिर क्यों मुंद्रा पोर्ट बार-बार ड्रग्स तस्करों के सबसे सुरक्षित कॉरिडोर के रूप में सामने आ रहा है।

फिलोबाडी में करंट लगने से छात्र की दर्दनाक मौत, क्षेत्र में शोक का माहौल ।

दुमदुमा प्रेरणा भारती ४ जून-- तिनसुकिया जिले के फिलोबाडी थाना क्षेत्र के अंतर्गत नाजिराटिंग गांव में एक दुखद हादसे में आठवीं कक्षा के छात्र की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान अयनज्योति मोरान के रूप में हुई है, जो पीएम श्री फिलोबाडी हाई इंग्लिश स्कूल का छात्र था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अयनज्योति मोरान अपने घर में एक पंखे की मरम्मत कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक बिजली की चपेट में आ गया। करंट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। मृतक छात्र नाजिराटिंग गांव निवासी सत्यजीत मोरान का पुत्र था। अयनज्योति की असामयिक मृत्यु की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड.गई। स्थानीय लोगों, विद्यालय परिवार तथा शुभचिंतकों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है। इस हृदयविदारक घटना से गांव में मातम का माहौल है। विद्यालय के शिक्षकों एवं सहपाठियों ने भी छात्र के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

नेताजी नगर में श्री श्री लोकनाथ बाबा के १३६वें तिरोधान दिवस एवं ७६वें स्थापना दिवस पर तीन दिवसीय धार्मिक महोत्सव संपन्न

गौतम सरकार रामकृष्णनगर, ४ जून: गांधीनगर जीपी के अंतर्गत नेताजी नगर स्थित श्री श्री लोकनाथ बाबा मंदिर में १३६वें तिरोधान दिवस एवं ७६वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय धार्मिक महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ।मंगलवार को श्री श्री अष्टप्रहर हरिनाम यज्ञ एवं लीला कीर्तन के साथ शुभ अधिवास कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। बुधवार को दिनभर हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। दोपहर एक बजे से दूर-दराज क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद वितरित किया गया।गुरुवार सुबह छह बजे हरिनाम यज्ञ का समापन हुआ, जिसके बाद भव्य नगर परिक्रमा निकाली गई। नगर परिक्रमा में बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके उपरांत दोपहर १२ बजे पूर्णाहुति एवं दधि भांड भंजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। महंत विदाई के साथ तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठानों का समापन हुआ।उत्सव समिति के अध्यक्ष सौरभ दास ने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लोकनाथ बाबा की कृपा सभी पर बनी रहे। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष मंदिर की स्थापना के ७५ वर्ष पूर्ण होने पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए थे और तभी से यहां नियमित हरिनाम संकीर्तन का आयोजन शुरू हुआ है। इस वर्ष ७६वें स्थापना दिवस के अवसर पर भी विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ हरिनाम संकीर्तन आयोजित किया गया।उन्होंने बताया कि मंदिर के विभिन्न विकास कार्यों में रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय मलाकार लगातार सहयोग प्रदान कर रहे हैं। मंदिर परिसर और अन्य सुविधाओं के विकास में क्षेत्र के लोगों का भी भरपूर सहयोग मिला है। उन्होंने कहा कि अब केवल मंदिर तक जाने वाली सडक़ का निर्माण कार्य शेष है, जिसका टेंडर पूरा हो चुका है और शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।इस अवसर पर उत्सव समिति के सचिव सुमंत विश्वास, सह-अध्यक्ष गोपाल दास, किशोर पाल, सह-सचिव केशव देव, दशरथ शुक्लवैद्य, राजनारायण चौधरी, कोषाध्यक्ष रामेंद्र दास, शुभ्रजीत पाल, रथीश चंद्र देव सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मातृ एवं शिशु सुरक्षा के लिए महावीर इंटरनेशनल की पहल, सिविल अस्पताल में बेबी किट और सैनिटरी पैड का वितरण

प्रीतम दास हाइलाकांदी, ४ जून : सामाजिक सेवा गतिविधियों की निरंतरता को बनाए रखते हुए महावीर इंटरनेशनल हाइलाकांदी केंद्र ने बुधवार को एक विशेष मानवीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर हाइलाकांदी स्थित संतोष कुमार राय सिविल अस्पताल के मातृ एवं शिशु विभाग में भती मरीजों के बीच निःशुल्क बेबी किट और सैनिटरी पैड वितरित किए गए।संस्था के विशेष 'मातृत्व प्रोजेक्ट' के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण तथा उनके समग्र कल्याण को सुनिश्चित करना था। संस्था की ओर से बताया गया कि यह पहल जरूरतमंद माताओं और बच्चों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए की गई है। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल में भती २५ मरीजों को संस्था के सदस्यों द्वारा आवश्यक सामग्री सीधे प्रदान की गई। इस अवसर पर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. देवव्रत दत्ता, महावीर इंटरनेशनल हाइलाकांदी केंद्र के अध्यक्ष गौतम घोष, उपाध्यक्ष संजीव देव, क्लब निदेशक अमिताभ शर्मा, संयुक्त सचिव राजेश दास, मृगेन देव, रिलेशनशिप डायरेक्टर राजीव नाग, कोषाध्यक्ष पिंटू दास तथा डोला मालाकार, मिथुलाल चौधरी, देबराज घोष, सौमित्र राय सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।अस्पताल के अधीक्षक डॉ. देवव्रत दत्ता ने इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि नवजात शिशुओं और प्रसूता माताओं के लिए बेबी किट एवं सैनिटरी पैड अत्यंत आवश्यक सामग्री हैं। अस्पताल में प्रतिदिन भती होने वाले मरीजों को इन वस्तुओं की आवश्यकता पडती है और महावीर इंटरनेशनल जैसी संस्थाओं की स्वैच्छिक पहल जरूरतमंद मरीजों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होती है।इसी दिन दोपहर में संस्था द्वारा हाइलाकांदी शहर के नेताजी प्वाइंट क्षेत्र में एक अन्य विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस दौरान सौ से अधिक गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के बीच निःशुल्क पका हुआ भोजन वितरित किया गया।संस्था की इस सराहनीय एवं मानवीय पहल का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया तथा समाज के वंचित वर्गों के हित में भविष्य में भी ऐसे कल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर जारी रखने की अपील की। संस्था के सदस्यों ने भी कहा कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए वे भविष्य में भी इस प्रकार की जनसेवा गतिविधियों को जारी रखेंगे।

स्वस्थ मिट्टी के संरक्षण हेतु 'खेती बचाओ अभियान' के अंतर्गत किसानों के लिए जागरूकता कार्यशाला आयोजित

प्रीतम दास हाइलाकांदी, ४ जून: कृषि भूमि की उर्वरता को बनाए रखने तथा टिकाऊ कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाइलाकांदी में 'खेती बचाओ अभियान' के तहत एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), हाइलाकांदी तथा जिला कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को जिला कृषि विभाग के एसटीसी हॉल में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।देशभर में १ जून से ३० जून तक मनाए जा रहे 'खेती बचाओ अभियान' के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग तथा पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि अधिक उत्पादन की होड.में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग की प्रवृत्ति दीर्घकाल में मिट्टी की प्राकृतिक संरचना एवं उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। इसलिए किसानों को वैज्ञानिक तरीके से मिट्टी की जांच कर आवश्यकता के अनुसार उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी गई।कार्यक्रम में केवीके हाइलाकांदी की प्रोग्राम असिस्टेंट (फूड साइंस/होम साइंस) कविता सी. शर्मा ने किसानों को संबोधित करते हुए समन्वित पोषण प्रबंधन (इंटीग्रेटेड न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट) अपनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के साथ साथ जैविक एवं जैव-उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने से मिट्टी का स्वास्थ्य सुरक्षित रखा जा सकता है तथा कृषि उत्पादन को दीर्घकालीन रूप से टिकाऊ बनाया जा सकता है।कार्यशाला में उपस्थित किसानों ने मिट्टी की उर्वरता संरक्षण आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग तथा पोषण प्रबंधन से जुडे.विभिन्न विषयों पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने कृषि कार्यों के दौरान आने वाली समस्याओं को विशेषज्ञों के समक्ष रखा और आवश्यक परामर्श प्राप्त किया।इसके अतिरिक्त जिला कृषि विभाग के कृषि विकास अधिकारी (एडीओ) राजीबुल हक मोल्ला तथा कृषि निरीक्षक इनाम उद्दीन लस्कर ने किसानों को सरकारी कृषि योजनाओं मृदा स्वास्थ्य कार्ड तथा कृषि विकास से संबंधित विभिन्न सरकारी पहलों की जानकारी दी। उन्होंने किसानों से उत्पादन बढ़ाने के साथ साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति भी जागरूक भूमिका निभाने का आह्वान किया।कुल ३२ किसानों की सहभागिता वाले इस कार्यक्रम का प्रश्नोत्तर सत्र अत्यंत जीवंत और उपयोगी रहा। इस दौरान किसानों ने जमीनी स्तर की वास्तविक समस्याओं को साझा किया तथा विशेषज्ञों से उनके प्रभावी समाधान और मार्गदर्शन प्राप्त किए।कार्यक्रम के समापन पर किसानों ने मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा संतुलित उर्वरक उपयोग तथा पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि कृषि की स्थिरता और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्वस्थ मिट्टी का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए आने वाली पीढ़ियों के हित में कृषि भूमि की उर्वरता को संरक्षित रखने हेतु सभी को सामूहिक रूप से आगे आना होगा।

ऑटोमोबाइल व्यवसायियों के लिए जीएसटी अनुपालन पर जागरूकता बैठक कानून का पालन करने का आह्वान

प्रीतम दास हाइलाकांदी, ४ जून : ऑटोमोबाइल क्षेत्र के करदाताओं के बीच वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित नियमों एवं प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढाने, कर व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा वैधानिक व्यावसायिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हैलाकांडी जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण जीएसटी जागरूकता एवं संवेदनशीलता बैठक आयोजित की गई।यह बैठक असम राज्य जीएसटी विभाग की पहल तथा मुख्य कर आयुक्त (स्टेट टैक्स), असम के निर्देशानुसार आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न ऑटोमोबाइल डीलर वाहन विक्रेता, स्पेयर पार्ट्स व्यवसायी एवं संबंधित करदाता उपस्थित रहे।जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने उपस्थित व्यवसायियों को जीएसटी कानून के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा वर्तमान कर व्यवस्था में अनुपालन के महत्व को स्पष्ट किया।चर्चा के दौरान समय पर जीएसटी रिटर्न दाखिल करने व्यावसायिक लेन-देन का सही लेखा जोखा रखने ई-वे बिल के उचित उपयोग, वैध कर चालान (टैक्स इनवॉइस) जारी करने इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त करने के नियमों तथा अन्य कानूनी दायित्वों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। अधिकारियों ने करदाताओं द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का उत्तर भी दिया तथा जीएसटी से जुडे.जटिल विषयों को सरल एवं सहज भाषा में समझाया।बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यदि करदाता कानून के अनुसार अपना व्यवसाय संचालित करते हैं तथा निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का समुचित पालन करते हैं, तो राज्य जीएसटी विभाग सदैव उनके साथ रहेगा तथा आवश्यक सहयोग एवं तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।साथ ही व्यवसायियों को कर चोरी फर्जी बिल तैयार करने काल्पनिक लेन देन दर्शाने तथा अन्य अनियमित गतिविधियों से दूर रहने की चेतावनी दी गई।जीएसटी विभाग की ओर से स्पष्ट रूप से बताया गया कि कर व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने तथा राजस्व की सुरक्षा के हित में कानून उल्लंघन की घटनाओं पर कडी निगरानी रखी जा रही है। यदि कोई व्यक्ति अथवा संस्था जीएसटी कानून का उल्लंघन करती है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार प्रशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी।बैठक में उपस्थित व्यवसायियों ने इस प्रकार की जागरूकता पहल का स्वागत किया। उनका कहना था कि जीएसटी से संबंधित विभिन्न तकनीकी एवं जटिल विषयों को सरल ढंग से प्रस्तुत किए जाने से उन्हें काफी लाभ हुआ है। उन्होंने यह भी मत व्यक्त किया कि भविष्य में व्यवसाय संचालन के दौरान कानून का पालन करने अभिलेखों का सही रखरखाव करने तथा कर संबंधी दायित्वों का समुचित निर्वहन करने में यह बैठक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित यह जागरूकता कार्यक्रम करदाताओं एवं प्रशासन के बीच पारस्परिक सहयोग को मजबूत करने तथा एक पारदशी एवं जवाबदेह कर व्यवस्था के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

BTC कार्यकारी सदस्य ने की बैठक, विकास का दिया आश्वासन

कोकराझार ४ जून । बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (BTC) के विकास और आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में इढउ के कार्यकारी सदस्य (एच) करमेश्वर राय और बउखूंगारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रूपम चंद्र राय ने कोकराझार जिले के शक्तिआश्रम स्थित खुकषी गांव का दौरा किया। स्थानीय स्तर पर आयोजित इस विशेष जन-संवाद सभा में विधायक रूपम चंद्र राय और एच करमेश्वर राय ने ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान क्षेत्र के निवासियों ने बुनियादी सुविधाओं, विकास कार्यों और अन्य व्यक्तिगत व सामूहिक चुनौतियों से जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया। ग्रामीणों की शिकायतें सुनने के बाद BTC के कार्यकारी सदस्य करमेश्वर राय और विधायक रूपम चंद्र राय ने संयुक्त रूप से सभी समस्याओं के जल्द निराकरण का पूर्ण आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास उनकी प्राथमिकता है और जनहित की मांगों को पूरा करने के लिए सरकार हर संभव प्रयास करेगी।

?बैठक में उपस्थित स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याओं को लेकर जनप्रतिनिधियों के सीधे हस्तक्षेप पर संतोष जताया और क्षेत्र के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

कहानी

बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद

अनंत भाई क्या आज कुछ सनाएँगे? बहुत दिनों से कुछ सुनाया नहीं। वैसे इस महीने आपकी जो कविता झरोखा पत्रिका में छपी है, वह बहुत अच्छी है। आप चाहें तो वही सुना दीजिए। अनंत नारायण बच्चों के कवि हैं अर्थात बाल साहित्यकार हैं। बच्चों के लिए लिखी गईं उनकी कविताएं मुझे बहुत पंसद हैं। वे अपनी कविताएं तो सुनाते ही हैं, दूसरों की बाल कविताएं भी सुनाते हैं। उनकी स्मरणशक्ति बहुत अच्छी है। मेरे साथ राजमणि भैया भी थे। ये मेरे बड़े भाई हैं। मेरे और राजमणि के कहने पर अनंत नारायण ने यह कविता सुनाई–

चुहिया लाई चावल चीनी बिल्ली लाई आटा
हरी सब्जियाँ ताता लाया धोकर उनको काटा
मुर्गी पूरा मटका भरकर दूध कहीं से लाई
आग जलाकर मीठी मीठी उसने खीर पकाई
पूड़ी बनी, बनी तरकारी सबने मिल जुलकर खाया
कामचोर कौवे का मन भी देख देख ललचाया

वाह वाह खूब कविता सुनाई। पर यह कविता मेरी नहीं है। अनंतनारायण बोला। यह एक अन्य बाल साहित्यकार की कविता है। मैं राजमणि भैया अनंत नारायण बड़ी देर तक बातें करते रहे। छुट्टी का दिन था। गंभीर बातें भी हुईं और हंसी मजाक वाली बातें भी। थोड़ी ही देर बाद अनंतनारायण की बेटी लतिका चाय लाई और अपने हाथ से बनाकर स्वादिष्ट पोहा। सबने चाय पी और पोहा खाया। अनंत नारायण ने कहा ललिता अपने चाचा लोगों को कोई गीत नहीं सुनाओगी? संगीत तो तुम्हारा सबसे प्यारा विषय है। लतिका सुनकर खुश हो गई। यह उसकी रूचि की बात थी। उसने कबीर का पद सुनाया

साधो यह तन ठाट तंबूरे का ऐंचत तार मरेरत खूंटी निकलराग हूजूरे का....

पद बड़ा था। पद सुनाते समय न केवल लतिका की आंखें बंद थीं, बल्कि हम लोग भी इतने मगन होकर सुन रहे थे कि हम लोगों की भी आंखें बंद ही थीं। हम लोगों की आंखें तब खुलीं जब गीत पूरा हुआ। लगा जैसे हम लोग संगीत की धारा में बह रहे थे। बातें समाप्त कर जब कर जब चलने लगे तो अनंतनारायण बोले भाई कल विश्वविद्यालय की ओर से नहीं जाना। क्यों? मुझे विश्वविद्यालय में काम है। क्या काम है? काम कुछ नहीं वहां जो बैंक है, उससे पैसे निकालने हैं, पैसे ज्यादा हैं, पूरे पचास हजार। जरूरत ही ऐसी आ गई है। समय खराब है। इतनी रकम बैंक से निकालकर अकेले घर लाने में डर लगता है। मँडुआडीह से आगे कुछ दूर तक एकांत हो जाता है। तुम साथ रहोगे तो अच्छा रहेगा। बात सही है। मैं तुम्हारे साथ चलूंगा और तुम्हारे साथ ही वापस आऊँगा। दूसरे दिन मैं और आनंत नारायण बैंक गये। भीड़ ज्यादा थी। अनंतनारायण ने रूपये लेकर बैग में रखे। भीड़ पूरी घट गई थी। क्लर्क कागज की पुड़िया मुंह में रखकर वह बगल के साथी से बातें करने लगा। अनंतनारायण ने अपनी पासबुक मांगी। उसने ऐसे पासबुक उछालकर दी जैसे फुटबाल हो। अनंतनारायण को बुरा लगा। पासबुक पटल पर रखे या हाथ में दें। उछालकर देना तो अनुचित है। उन्होंने विश्वविद्यालय में तीस वर्ष पढ़ाया है। प्रोफेसर के सम्मानित पद से रिटायर हुए हैं। उनके साथ एक क्लर्क ऐसा व्यवहार करें, यह दुखद है। पर उन्होंने कुछ कहा नहीं। लेकिन जब पासबुक देखी तो उसमें रूपये चढ़ाये नहीं गये थे। उन्होंने कहा साहब पासबुक में रूपये चढ़ा दीजिए। आपको रूपये मिल गये न? अब आप जाइए। पासबुक में रकम चढ़वानी है तो पासबुक छोड़ जाइए। कल आकर ले जाइएगा। रकम चढ़ जाएगी। एक बार यहां आने में सौ रूपये लगते हैं। कल फिर इतने ही रूपये लगेंगे। सिर्फ पासबुक के लिए ही कल मुझे आना पड़ेगा। मैंने जो कह दिया सो कह दिया। बहस मत करिये। मैं बोला ये इस विश्वविद्यालय के सम्मानित प्रोफेसर रहे हैं। ये बहुत विद्वान हैं। आप इन्हें नहीं जानते। होंगे प्रोफेसर। मैं इन्हें नहीं जानता। यहां तो सब अपने को प्रोफेसर ही कहते हैं।

हम लोग भी इतने मगन होकर सुन रहे थे कि हम लोगों की भी आंखें बंद ही थीं। हम लोगों की आंखें तब खुलीं जब गीत पूरा हुआ। लगा जैसे हम लोग संगीत की धारा में बह रहे थे। बातें समाप्त कर जब कर जब चलने लगे तो अनंतनारायण बोले भाई कल विश्वविद्यालय की ओर से नहीं जाना। क्यों? मुझे विश्वविद्यालय में काम है। क्या काम है? काम कुछ नहीं वहां जो बैंक है, उससे पैसे निकालने हैं, पैसे ज्यादा है, पूरे पचास हजार। जरूरत ही ऐसी आ गई है। समय खराब है। इतनी रकम बैंक से निकालकर अकेले घर लाने में डर लगता है।

यह बात मुझे बुरी लगी और अनंतनारायण को भी। हम दोनों मैनेजर के पास गये। मैंने अनंतनारायण का परिचय दिया और क्लर्क की शिकायत की। मैनेजर ने कहा, क्लर्क की शिकायतें औरों ने भी की हैं। पता नहीं यह कब सभ्य बनेगा। यह कहकर वे हम लोगों के साथ क्लर्क के पास आये, आप इस समय क्या कर रहे हैं? आराम फरमा रहे हैं। नहीं नहीं पान खाकर... थकान दूर कर रहे हैं। बैंक थकान दूर करने के लिए हैं या काम करने के लिए। इस समय आप कोई काम नहीं कर रहे हैं। फिर अनंतनारायण की ओर देखकर कहा आप पासबुक बिना रकम चढ़ाये वापस कर रहे हैं। सिर्फ पासबुक के लिए कल ये सौ रूपये फिर खर्च करेंगे। आप जानते हैं ये कौन हैं। ये विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित प्रोफेसर हैं और बहुत बड़े साहित्यकार हैं। आपके सामने इनका परिचय भी दिया गया। फिर भी कुछ समझ में नहीं आया। वे आगे बोले, अदरक बड़ी उपयोगी चीज होती हैं। भोजन में भी पड़ती है और दवा के काम भी आती है। पर बंदर को दे दी जाए तो वह दांत से कुतरकर फेंक देगा। वह अदरक का गुर जानेगा ही नहीं। इसी पर कहावत है बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद। यही हाल आपका है। आपके सामने एक महान व्यक्ति खड़े हैं। पर आपमें इतनी समझ नहीं है कि आप उन्हें सम्मान दें। मैं अभी पासबुक ठीक कर देता हूँ, कहकर एक मिनट में क्लर्क ने रकम चढ़ाकर पासबुक वापस कर दी। हम दोनों को मैनेजर साहब का व्यवहार तो अच्छा लगा ही, उनका हिंदी ज्ञान देखकर भी प्रसन्नता हुई। कहावत का उन्होंने बहुत सही प्रयोग किया था। पासबुक लेकर हम लोग साथ साथ वापस चले आये।

हंसगुल्ले

टीचर ने बच्चों की कॉपी पर नोट लिखकर भेजा - कृपया बच्चों को नहला कर भेजा करें।
बच्चों की माँ ने नोट जवाब में लिखा - कृपया बच्चों को पढ़ाया करें, सूंघा न करें।

• • • • •

नया कर्मचारी, 'तुम इस दफ्तर में कब से काम कर रहे हो?'
पुराना कर्मचारी, 'जब से बॉस ने मुझे निकालने की धमकी दी है।'

• • • • •

दादी नाराज होकर पोते से बोली ज्यादा परेशान करोगे तो मैं भगवान के घर चली जाऊंगी।
पोता: दादी रिक्शा लेकर आऊं क्या ?

• • • • •

एक चूहे ने हाथी से कहा, 'यार अपनी शर्ट दो दिनों के लिए देना।'
हाथी हंसकर बोला, 'हा.हा.हा. पहनेगा क्या ?'
चूहा, 'नहीं, घर में शादी है, तंबू लगवाना है।'

• • • • •

बैरा, इधर आओ! ग्राहक चिल्लाया। बैरा सहमता हुआ ग्राहक के पास आ खड़ा हुआ।
'देखो चाए के प्याले मे मक्खी पड़ी हुई है!' बैरे ने तर्जनी उंगली से मक्खी प्याले से निकाली और बहुत गौर से देखने लगा। फिर बडी गंभीरता से उत्तर दिया--
हमारे होटल की नही है।

• • • • •

मज़दूर (मालिक से) : गधे की तरह काम कराया और मज़दूरी सिर्फ बीस रुपया ... कुछ तो न्याय कीजिए।
मालिक (मुनीम से) : ठीक है यह न्याय मांगता है तो इस के सामने घास डाल दो और रुपये ले लो।

• • • • •

एक व्यक्ति की अपने तोते से तबियत भर गई। उस ने उसे नीलाम किया। बोली 100 रुपये पर छूटी।
खरीददार मुस्कुराकर कहने लगा, खैर, ले लेता हूं लेकिन इतना बतादें कि यह बोलेगा भी? दुकानदार : अजी, यही तो आपके खिलाफ बोली बढ़ा रहा था!

• • • • •

नया सिपाही (इंस्पैक्टर से) : 'सर ये बिलकुल गलत है कि मैं उस चोर से डर गया था।'
इंस्पैक्टर : 'तो तुम उस गाड़ी के पीछे क्यों छिपे थे?'
नया सिपाही : 'जी वह तो मैं कुत्ता देख कर छिपा था।'

जानिए

30 साल में बनती है एक डाली

सुगुआरो कैक्टस (कार्नेजिया जाइगैंटिया) दुनिया का सबसे धीमी गति से बढ़नेवाला पौधा है। उसकी एक डाली पूरे 30 साल में तैयार होती है। सगुआरो उत्तरी अमरीका (अरिजोना) में पाया जाता है। उसकी बढ़त धीमी होते हुए भी वह 18 मीटर की ऊंचाई प्राप्त कर सकता है। इतना बड़ा होते हुए भी, इसकी अधिकांश जड़ें जमीन में कुछ ही सेंटीमीटर की गहराई में फैली होती हैं। केवल एक मुख्य जड़ जमीन में लगभग दो फुट की गहराई तक उतरता है। इस कारण सगुआरो तूफानों में आसानी से उखड़ जाता है। स्थानीय निवासी सूखे सगुआरो तने से घरों की छतें, फर्नीचर, बाड़ आदि बनाते हैं। वह एक दीर्घजीवी पौधा है, जो 200 साल तक जीवित रह सकता है। इसके फूल रात को खिलते हैं। यह रेगिस्तानी पौधा अनेक पशु-पक्षियों को सहारा देता है। इनमें शामिल है गिला कठफोड़वा, बैंगनी मार्टिन, घरेलू फिंच, गिल्डेड फ्लिकर (एक प्रकार की चिड़िया), एल्फ आउल (बौना उल्लू), इत्यादि। ये इस पौधे के लंबे तने में छेद करके उनमें रहते हैं।

रंग भरो

कविता

अगर पेड़ भी चलते होते

अगर पेड भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते
बांध तने में उसके रस्सी
चाहे जहाँ कहीं ले जाते।

जहाँ कहीं भी धूप सताती
उसके नीचे झट सुस्ताते
जहाँ कहीं वर्षा हो जाती
उसके नीचे हम छिप जाते।

लगती भूख यदि अचानक
तोड मधुर फल उसके खाते
आती कीचड-बाढ कहीं तो
झट उसके ऊपर चढ जाते।

अगर पेड भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते।

एक कहानी में सारे

आसमान कितना ऊँचा है !
कितने ऊँचे हैं तारे !
पर आ जाते जाने कैसे !
एक कहानी में सारे!

दोस्त अगर बन जाएं मेरे
आसमान के, माँ तारे ?
तो मैं तेरे जन्म दिवस पर
दूँगी सब को गुब्बारे

मजा आएगा तब तो कितना
जाएंगे जब घर तारे
आसमान में तारों के संग
होंगे कितने गुब्बारे !

मगर कहाँ से लाओगी माँ
इतने सारे गुब्बारे ?
बतला दूंगी, बतला दूंगी
जब आएंगे घर तारे !

बिंदु मिलाओ

रास्ता खोजो

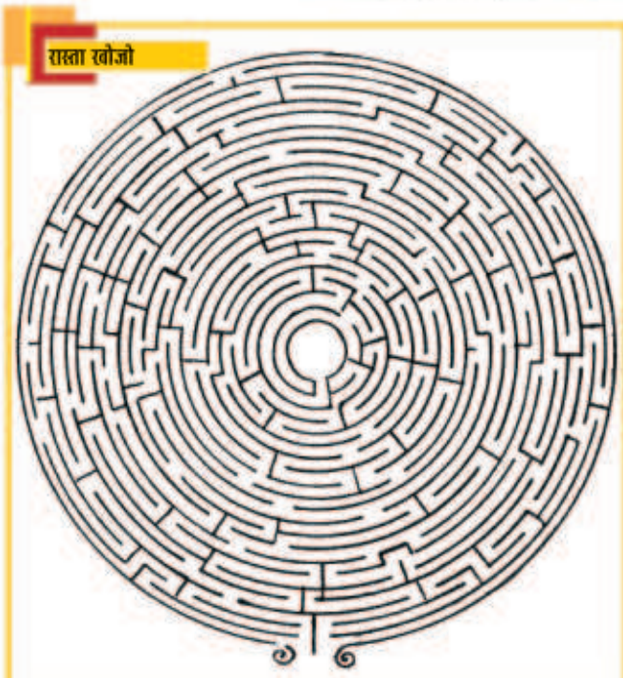

पहेलियां

लाल डिबिया में हैं पीले खाने,
खानों में मोती के दाने ?

❐ ❐ ❐ ❐

वह रहती नहीं बीमार, फिर भी खाती गोली,
बच्चे, बूढ़े डर जाते, सुनकर उसकी बोली।

❐ ❐ ❐ ❐

धनदौलत से बड़ी है यह,
सब चीजों से ऊपर है यह,
जो पाए पंडित बन जाए
बिन पाए मूरख रह जाए ?

❐ ❐ ❐ ❐

जो करता है वायु शुद्ध,
फल देकर जो पेट भरे,
मानव बना है उसका दुश्मन,
फिर भी वह उपकार करे ?

❐ ❐ ❐ ❐

गोल है पर गेंद नहीं,
पूँछ है पर पशु नहीं,
पूंछ पकड़कर खेलें बच्चे,
फिर भी मेरे आंसू न निकलते ?

❐ ❐ ❐ ❐

उत्तर - अनार, बंदूक, विद्या, पेड़, गुब्बारा।

रात के खाने में ना खाएं दही

हम सभी जानते हैं कि दही खाना सेहत के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही एक सुपर फूड है, जिसे हर दिन खाया जा सकता है और यह सेहत को सिर्फ एक नहीं अनेक तरीकों से लाभ पहुंचाती है। पाचन से लेकर त्वचा और बाल सबको हेल्दी रखती है। इस विषय पर नए सिरे से बात करने की जरूरत नहीं है। आज हम इस विषय पर बात करेंगे कि आखिर रात के खाने में दही खाने को क्यों मना किया जाता है.

लाभकारी दही हानि क्यों करने लगती है?

- आपने अपने पैरेंट्स से अक्सर सुना होगा कि रात के समय दही या दही से बना रायता नहीं खाना चाहिए। लेकिन आज कल शादी-पार्टीज में यह ट्रेंड है कि आप रात के 12 बजे भी डिनर ले रहे होंगे तो आपको रायता जरूर मिलेगा खाने में.। खैर, सर्व करनेवाले तो सर्व करते है। यह तो आपको निर्णय लेना है कि रात में रायता या दही खाकर आप बीमार पड़ना चाहते हैं या नहीं।
- दही पाचनतंत्र को ऊर्जा देने का काम करती है। साथ ही हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। लेकिन यदि दही का सेवन रात में किया जा तो पाचनतंत्र भी डिस्टर्ब होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है।

पाचकाग्नि को मंद हो जाती है

- अब आपके मन में यह सवाल आ रहा होगा कि आखिर रात में दही खाने पर ऐसा क्या हो जाता है? तो जान लीजिए कि रात को दही खाने पर पाचनतंत्र मंद हो जाता है। आयुर्वेद की भाषा में बात करें तो जठराग्नि मंद हो जाती है और शरीर की वायु कुपित हो जाती है। इस कारण रात में दही का सेवन करने पर हाथ, पैर, सिर, कमर या शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की समस्या हो सकती है।

जुकाम लगा सकती है दही

- इसके साथ ही दही खाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता पर इस लिए बुरा असर पड़ता है, क्योंकि दही तासीर में ठंडी होती है। यदि रात में दही खाई जाती है तो शरीर में कफ की मात्रा में वृद्धि हो सकती है। इससे गले में दर्द, खराश, बलगम वाली खांसी, सिर में भारीपन, जुकाम आदि की समस्या हो सकती है।

जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है

- जिन लोगों को जोड़ों के दर्द की शिकायत होती है यदि वे लोग रात के समय दही खाना शुरू कर दें तो यकीन मानिए कि जल्द ही ऐसा समय आएगा जब उनके जोड़ों का दर्द इस कदर बढ़ जाएगा कि दिन-रात का चैन खो सकता है।

सो नहीं पाते ऐसे लोग

- जिन लोगों को अस्थमा की शिकायत है, उन्हें रात के समय भूल से भी दही का सेवन नहीं करना चाहिए। नहीं रात के समय अस्थमा अटैक के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है। हालांकि सभी लोगों को इस बात की जानकारी भी होनी चाहिए खट्टी दही और मीठी दही दोनों के शरीर पर अलग-अलग प्रभाव होते हैं। लेकिन रात के समय आपको किसी भी प्रकार की दही लेने से बचना चाहिए।

आ सकता है बुखार

- रात के समय दही खाना आपको बुखार आने का कारण भी बन सकता है। इसकी वजह ऊपर बताए गए कारणों को मिलाकर तैयार हो जाती है। क्योंकि शरीर में पित्त और वायु का कुपित होना, जुकाम लगना, शरीर में दर्द होना जैसी समस्याएं शरीर के सामान्य तापमान को स्थिर नहीं रहने देती हैं। इससे बुखार आने की समस्या हो सकती है।

रात को दही खाने से बढ़ती है सूजन

- रात को दही खाने से शरीर में सूजन बढ़ने की समस्या बढ़ सकती है। क्योंकि रात में दही का सेवन करने से पित्त की मात्रा में बढ़ोतरी हो सकती है, जो आपके शरीर में सूजन बढ़ाने का काम करेगा।
- अगर आपके शरीर में सूजन की समस्या पहले से है या कोई चोट लगी हुई है तो रात के समय दही खाना आपके शरीर को अंदर से कमजोर करने का काम करेगा। इससे आपके शरीर में दर्द और पीड़ा कई गुना बढ़ सकती है।

जरूरी नहीं अगले दिन ही दिखे रिजल्ट

- अगर आपको लगता है कि आपने तो रात को दही खाई थी, आपको तो कोई समस्या नहीं हुई। तो यह जरूरी नहीं है कि आपने रात में दही खाई है तो अगले दिन सुबह के समय ही आपके शरीर में बीमारी के लक्षण दिखने लगेंगे। ये लक्षण दिन में किसी समय, अगली रात में या एक-दो दिन बाद भी नजर आ सकते हैं।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हर किसी की रोग प्रतिरोधक क्षमता अलग-अलग होती है। एक तरफ जहां किसी में एक बार रात को दही खाने के बाद कुछ ही घंटे में तबीयत खराब हो सकती है तो किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में इसका असर 3 दिन बाद भी दिख सकता है।

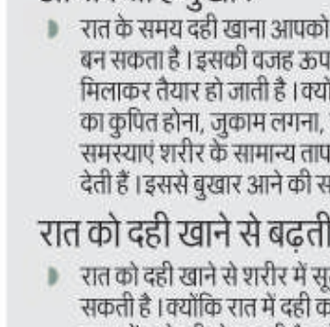

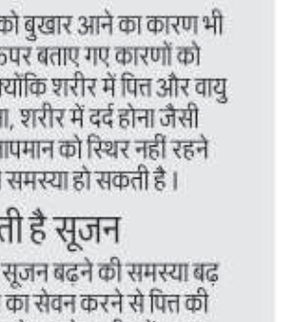

खून के थक्के बनने से रोकने की दवा लेते हैं तो न खाएं हरा साग

हरा साग जैसे पालक क्लॉटिंग रोकने वाली वार्फरिन या कुमारिन दवाओं के असर को काफी हद तक कर देता है बेअसर इसलिए ऐसे लोग जो इन दवाओं को प्रयोग करते हैं उन्हें सलाह दी जाती है कि हरा साग न खाएं।

जिन रोगियों में खून के असामान्य थक्कों के बनने और खून जमने की समस्या होती है, उन्हें एक विशेष दवा के सेवन के कारण कई बार हरा साग खाने से मना किया जाता है। यह दवा वार्फरिन है। यह और इसके जैसी अनेक दवाएं, जिन्हें कुमारिन-परिवार की दवाएं कहते हैं, विटमिन-के का प्रतिरोध करती हैं। इम्यूनोलॉजिस्ट एवं यूमैटॉलजिस्ट कहते हैं, विटमिन-के का काम खून की क्लॉटिंग से होता है। यह विटमिन यकृत में जमा होता है और इसी कारण हमारा खून सही ढंग से जमता है। यह विटमिन शरीर में क्लॉटिंग फैक्टरों का निर्माण करता है। विटमिन-ख न हो तो न जाने कितने ही लोगों की रक्तस्राव से मौत हो जाए, लेकिन फिर अनेक रोगियों में खून का जमना हानिकारक हो जाता है। मान लीजिए किसी रोगी में हृदयवॉल्व की सर्जरी हुई है या उसे कोई ऐसा रोग है, जिसमें खून बार-बार और जल्दी-जल्दी जमा करता है। ऐसे में अगर विटमिन-के का प्रतिरोध न किया गया, तो फिर खून का लगातार जमना हानिकारक या कभी-कभी जानलेवा साबित होगा। इसलिए ऐसे रोगियों में खून को पतला करने वाली दवाएं चलाई जाती हैं। इन्हीं दवाओं में कुमारिन-परिवार की सदस्य दवाएं भी शामिल हैं, जिनमें वार्फरिन प्रमुख है। हरा साग विटमिन-के का प्रमुख स्रोत है। इसे खाने से शरीर को विटमिन-ख की प्राप्ति होती है। लेकिन फिर जिन रोगियों को विटमिन-ख नहीं चाहिए या जिनके लिए विटामिन-के की प्रचुरता हानिकारक है, वे क्या करें? वह ब्लड की क्लॉटिंग (स्तम्भन) को रोकने के लिए वार्फरिन जैसी दवाओं पर निर्भर रहते हैं। और हरे साग का सेवन वार्फरिन को समुचित कार्य करने से रोकेगा।

आयरन की गोलियां खाएं

इसलिए डॉक्टर की सलाह होती है कि अगर आप वार्फरिन या अन्य कुमारिन-दवाएं खाते हैं, तो हरा साग कम-से कम खाएं या न खाएं। हां, यह जरूर है कि ऐसा करने से आपको आवश्यक आयरन नहीं मिलेगा और अनीमिया की आशंका बढ़ जाएगी, लेकिन ऐसी परिस्थिति में वार्फरिन के साथ हरे साग की बजाय आयरन की गोलियों का सेवन कहीं बेहतर है।

खर्राटों की समस्या से निजात दिलाएगा चुंबक

अगर आपको भी खर्राटे लेने की समस्या है तो आपके लिए एक खुशखबरी है। माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चुंबक की मदद से एक ऐसा उपकरण बनाया है जो खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है। दो चुंबकों के खींचने की क्षमता की मदद से हवा की नली को रात में सोने के दौरान खुला रखकर खर्राटों की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

इस समस्या से दुनियाभर में लाखों लोग जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण रात को सोते वक्त हवा की नली संकरी हो जाती है और सांस लेने में अवरोध पैदा होता है। इसके लक्षणों में खर्राटे लेना और मुंह से अजीब आवाजें निकालना भी शामिल है। यह बीमारी 40 साल की उम्र से ऊपर के पुरुषों में ज्यादा होती है। मोटापा, शराब की लत और धूम्रपान इसके जोखिम कारक हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मैग्नेटिक एपनोइया प्रीवेंशन (मैगनैप) उपकरण में उस तरह के चुंबक का इस्तेमाल होता है जो कंप्यूटर हार्ड ड्राइव और साइकिल के डायनेमो में पाए जाते हैं। यह उपकरण सांस की नली को खुला रखने में मदद करता है। चुंबक में एक क्षरण-प्रूफ टाइटेनियम कोटिंग है और यह दावा किया जाता है कि इन्हें एक बार प्रतिरोपित करने के बाद सालों तक सुरक्षित रूप से शरीर में छोड़ा जा सकता है।

इस उपकरण का आकार पचास पैसे के सिक्के के जितना है और इसे सर्जरी के द्वारा गले के हायोड बोन में फिट किया जा सकता है। यह हड्डी जीभ के ठीक नीचे गले में होती है। इस चुंबक को फिट करने की सर्जरी को करने में एक घंटे का समय लगेगा। सर्जरी के चार हफ्ते के बाद एक और चुंबक गले में लगाया जाएगा।

यह दूसरा चुंबक पहले से गले में लगाए गए चुंबक को आकर्षित करेगा जिससे एक हल्का खिंचाव तैयार होगा और हवा की नली खुल जाएगी। मरीज के गले और हवा की नली के आकार के अनुसार विभिन्न आकार के चुंबकों का प्रयोग किया जा सकेगा। अब तक माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में छह लोगों के गले में इस उपकरण को प्रतिरोपित किया गया है। उनकी निगरानी की जा रही है ताकि इस उपकरण की उपयोगिता का पता लगाया जा सके।

दिल का रखेंगे ध्यान ब्रोकली और पत्तागोभी

क्या आपको भी ब्रोकली, पत्तागोभी और ब्रसल्स स्प्राउट जैसी सब्जियां अच्छी नहीं लगतीं। अगर आप भी इन सब्जियों को खाने से परहेज करते हैं तो आप अनजाने में दिल की बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। एक हालिया शोध के अनुसार ये सब्जियां रक्त धमनियों और वाहिकाओं की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती हैं। रक्त धमनियों में अवरोध पैदा होने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में पाया गया कि पत्तेदार हरी सब्जियों जैसे ब्रोकली, ब्रसल्स स्प्राउट और पत्तागोभी का सेवन करने का संबंध बुजुर्गों में रक्त वाहिकाओं की बीमारियों के कम जोखिम के साथ था। ईसीयू स्कूल ऑफ मेडिसिन और द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने 684 बुजुर्ग महिलाओं पर अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि जिन महिलाओं ने ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनकी महाधमनी में कैल्शियम के जमाव का खतरा कम पाया गया। यह रक्त वाहिकाओं में होने वाली बीमारियों का पहला संकेत होता है।

हार्ट अटैक हो सकता है

रक्त वाहिकाओं की बीमारियां धमनियों और नसों को प्रभावित करती हैं। धमनियों और नसों में कैल्शियम का जमाव होने से रक्त के प्रवाह में बाधा आती है जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

ब्रोकली और स्प्राउट है बेहद फायदेमंद

प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर लाउरेन ब्लैकेनहोरस्ट ने कहा, हरी पत्तेदार सब्जियों के बारे में कुछ पेचीदा था, जिस पर इस अध्ययन ने अधिक प्रकाश डाला है। हमारे पूर्व शोधों में हमने पाया कि जिन लोगों ने हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनमें दिल संबंधी बीमारियों और घटनाएं जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम पाया गया। हमारे शोध से हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदों के बारे में पता चलता है। बुजुर्गावस्था में ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से धमनियां स्वस्थ रहती हैं और इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।

विटामिन-के मौजूद होता है

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी में बड़ी मात्रा में विटामिन-के मौजूद होता है। विटामिन-के रक्त वाहिकाओं में कैल्शियम के जमाव को रोकने का काम करता है।

रोजाना सब्जी खाना जरूरी

डॉक्टर ब्लैकेनहॉरस्ट ने कहा कि इस अध्ययन में जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 45 ग्राम से अधिक सब्जियों का सेवन किया (जैसे एक कप उबली हुई ब्रोकली या एक कप पत्ता गोभी) उनकर महाधमनी में कैल्शियम के व्यापक जमाव की आशंका 46 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना रोजाना सब्जी नहीं खाने वाले लोगों से की गई। ब्लेकेनहॉरस्ट ने कहा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी का ही सेवन नहीं करना चाहिए बल्कि सभी प्रकार की मौसमी सब्जियां खानी चाहिए।

रोजाना कितनी सब्जी खाएं

- रोज सलाद के रूप में 80 ग्राम कच्ची सब्जी का सेवन करना चाहिए।
- प्रतिदिन 80 ग्राम पकी हुई सब्जी का सेवन करने की सलाह।
- प्रतिदिन 125 मिलीलीटर सब्जी के जूस का सेवन करना चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से हो सकते हैं मानसिक दिव्यांगता का शिकार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से ऑटिज्म जैसी मानसिक दिव्यांगता विकसित हो सकती है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। ऑटिज्म के मरीज न तो अपनी बात ठीक से कह पाता है ना ही दूसरों की बात समझ पाता है और न उनसे संवाद स्थापित कर सकता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते भांप लिया जाए, तो काबू पाया जा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के धीमे मानसिक व शारीरिक विकास से जुड़ी इस बीमारी के लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय, मैसाचुएट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल और ऑटिज्म के संबंध के बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑटिज्म के सबटाइप वाली एक बीमारी उन्हीं अनुवांशिक तत्वों से होती है जो शरीर में कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिज्म और मस्तिष्क विकास को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के नमूनों के डीएनए अध्ययन से पाया कि लिपिड डायफंक्शन और ऑटिज्म के बीच साझा आणुविक जड़ें होती हैं। फिर वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म पीड़ित लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन करके इस बात की पुष्टि की। लिपिड जीवित कोशिकाओं में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो एल्कोहल में घुलनशील है। अध्ययनकर्ता इसहाक कोहेन का कहना है कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि यह बहुत जटिल बीमारी है और इसके विभिन्न प्रकार अलग-अलग कारणों से उत्पन्न होते हैं।

घुटने का दर्द हो जाएगा छूमंतर ट्राय करें यह देसी नुस्खा

बढ़ती उम्र और डेली रूटीन में अलग-अलग स्थितियों के कारण हमारे शरीर में अलग-अलग प्रकार के बदलाव होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं भी शरीर को अपना शिकार बनाती हैं जिनमें घुटनों का दर्द भी प्रमुख रूप से गिना जाता है। घुटने के दर्द की समस्या ज्यादातर बुजुर्गों को परेशान करती है वहीं खेलकूद से जुड़े लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए यहां पर एक देसी नुस्खे के बारे में बताया जा रहा है जो उनके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कारगर रूप से कार्य कर सकता है। आइए इस देसी नुस्खे के बारे में आपको पूरी जानकारी देते हैं।

क्यों होता है घुटनों में दर्द?

इस देसी नुस्खे को जानने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि आपके पैरों में होने वाले दर्द का प्रमुख कारण क्या होता है? मुख्य रूप से अगर बात की जाए तो घुटनों में होने वाला दर्द टेंडइनाइटिस, गाउट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, बेकर्स सिस्ट, बर्साइटिस जैसी मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसके अलावा खेलकूद के दौरान लगने वाली चोट या फिर किसी दुर्घटना में गिरने के कारण भी घुटनों में दर्द की समस्या हो सकती है। नीचे आपको ऐसे दो खास देसी नुस्खे बताए जा रहे हैं जो सामान्य रूप से घुटने में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने के लिए आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब के सिरके का करें सेवन

सेब के सिरके में ऐसे कई औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जो आपकी सेहत के लिए भी प्रभावी रूप से फायदेमंद साबित होते हैं। एक चम्मच सेब के सिरके को अगर आप गर्म पानी के साथ मिलाकर पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो इसमें मौजूद पेन रिलीविंग गुण आपके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए प्रभावी असर दिखा सकता है। आप इस तरह सेब के सिरके का दिन में दो बार सेवन कर सकते हैं। कोशिश करें कि खाना खाने के पहले इसका सेवन करें।

नींबू और तिल के तेल का इस्तेमाल

एक नींबू लें और उसे काटकर रस निकाल लें। अब दो चम्मच तिल के तेल में नींबू के रस को मिलाएं और हल्के हाथों अपने घुटनों पर इस मिश्रण की मालिश करें। रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद यानी मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले आप इस देसी नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं। नींबू में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण घुटनों में होने वाली सूजन को कम कर के दर्द को दूर कर सकता है।

एक बात का ध्यान रखें कि गंभीर मेडिकल कंडीशन होने के कारण आपको इस देसी नुस्खे का कोई खास फायदा नहीं मिलेगा और आपको मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत भी पड़ेगी।

शिखंडी — जग्गी वासुदेव

द्रोणाचार्य अपने बचपन के मित्र महाराज द्रुपद के पास उनके राज्य का हिस्सा मांगने गए, पर द्रुपद ने उन्हें अपमानित किया था। द्रोण ने इसका बदला द्रुपद को कैदी बनाकर लिया, और तब द्रुपद ने इसका जवाब देने के लिए, भगवान शिव से वरदान मांगा। उसे वरदान में एक पुत्री शिखंडी के प्राप्ति हुई। द्रोण ने कसम खाई कि वे द्रुपद के हाथों मिले अपमान का बदला जरूर लेंगे। उन्होंने परशुराम से अस्त्र प्राप्त किए और हस्तिनापुर आ कर, कौरवों और पांडवों को युद्ध कला सिखाने लगे। वे लोग अपनी शिक्षा-दीक्षा पूरी करने के बाद गुरु दक्षिणा देने के लिए उत्सुक थे। द्रोण ने उन्हें सबसे पहले यही कहा कि वे द्रुपद को उनके सामने ला कर खड़ा करें। कौरव और पांडव राजकुमारों ने बस इसी कारण पांचाल देश की राजधानी काम्पिल्य पर हमला कर दिया। हमले के लिए पहले कौरव राजकुमार गए, और पांडव पीछे रुक कर देखते रहे। द्रुपद की सेना बिल्कुल तैयार नहीं थी। सभी इस हमले से चौंक गए, क्योंकि इस हमले का कोई स्पष्ट कारण वे समझ नहीं पा रहे थे। लेकिन जैसे ही उन्हें हमले का अहसास हुआ आम नागरिक भी अपने घरों से मिलने वाले चाकू, कड़छीए, लाठियां और जो कुछ भी हाथ आया, उसी के साथ लड़ने आ गए। उन्होंने कौरवों से लड़ाई की और उन्हें पीट कर वापस भेज दिया। आम लोगों के हाथों परास्त कौरव अपमानित हो कर लौट गए। तब द्रोण ने अर्जुन से कहा, "यह गुरु दक्षिणा तुम्हें देनी होगी। जाओ, जा कर द्रुपद को ले कर आओ।" भीम और अर्जुन चुपचाप शहर में प्रवेश कर गए, उन्होंने द्रुपद को पकड़ कर बांधा और उन्हें ले जाकर द्रोण के चरणों में डाल दिया। जैसे ही द्रुपद ने द्रोण को देखा तो वे जान गए कि वे युवक द्रोण के कहने से ही उन्हें बांध कर लाए हैं। एक महान योद्धा द्रोण के चरणों में कैदी बना पड़ा था। तब द्रोण ने कहा, "अब हम आपस में कुछ बांटने की बात नहीं कर सकते क्योंकि हमारे स्तर समान नहीं रहे। तुम मेरे आगे गुलाम की तरह पड़े हो। तुम मुझे गुरु दक्षिणा के उपहार के तौर पर मिले हो। मैं तुम्हारे साथ जो जी चाहे कर सकता हूं। लेकिन मैं तुम्हारा मित्र रहा हूं इसलिए मैं तुम्हारे प्राण नहीं लूंगा।' गुस्से, जलन और लज्जा से सुलग रहे द्रुपद अपने आधे राज्य में चले गए व गुस्से में सुलग रहे थे। उन्होंने शिव को प्रार्थना करते हुए कहा, "मैं एक संतान चाहता हूं जो मेरा बदला ले।' परंतु उनके यहां जिस संतान का जन्म हुआ, वह एक कन्या थी।

खबरें जरा हटके

दूसरी बार प्रेग्नेंट हुआ यह आदमी, देने वाला है बच्चे को जन्म

नई दिल्ली। प्राकृति का नियम है कि महिलाएं ही गर्भधारण करने के लिए शारीरिक रूप से सक्षम होती हैं, लेकिन यह पुरुष दूसरी बार गर्भवती है। आप सोच रहे होंगे कि पुरुष गर्भवती कैसे हो सकता है, लेकिन विज्ञान की मदद से यह संभव है। मामला अमरीका के ऑरिगन का है, जहां एक शख्स प्रेग्नेंट है और वह भी दूसरी बार।

ट्रिस्टन रीस और बिफ चाप्लों नाम के गे पिताओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। दरअसल इस कपल में से ट्रिस्टन दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं। वह अपने गे पति बिफ चाप्लों के बच्चे को जन्म देने वाले हैं। इससे पहले 2016 में उसका गर्भपात हो गया था। वर्ष 2016 में छह सप्ताह की प्रेग्नेंसी के बाद ट्रिस्टन का गर्भपात हो गया था। इसके बाद इस कपल ने अपने जैविक बच्चे की उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन अब उनकी उम्मीद फिर से जाग गई है।

ट्रिस्टन बच्चे को जन्म देने वाला है। आपको बता दें कि इस गे कपल ने 2 बच्चों को गोद भी लिया हुआ है। दरअसल साल 2011 में बिफ की बहन और उसके बॉयफ्रेंड के बीच विवाद के बाद इस गे कपल ने उनके बच्चों को गोद ले लिया था। अब ये गे कपल अपने जैविक कपल का इंतजार कर रहा है।

दोनों ही नए मेहमान के आने की खुशखबरी से बेहद खुश है और बच्चे का इंतजार कर रहे हैं। हलांकि इसके लिए उन्हें काफी सावधानी बरतनी पड़ रही है। डॉक्टरों की निगरानी में ट्रिस्टन की देखभाल की जा रही है, ताकि इस बार किसी भी तरह की कोई गड़बड़ी न हो। उन्होंने अपनी फोटो भी शेयर की है।

कैमरा देखते ही खिलखिलाकर पोज करने लगा ये जेब्रा

नई दिल्ली। कैमरा देखते ही बच्चे से लेकर बूढ़े तक हर कोई स्माइल करते हुए पोज देने लगता है, लेकिन क्या हो अगर जानवर भी कुछ ऐसा ही करने लगें। दरअसल ऐसा सच में हुआ है। यह घटना अफ्रीका में हुई। यहां एक अमरीकी टूरिस्ट केन्या के सफारी पार्क में छुट्टियां बिताने गया था। वो सफारी के दौरान जानवरों की तस्वीरें खींच रहा था, तभी उसे चार जेब्रा साथ में खड़े दिखाई दिए।

टूरिस्ट कैमरा लेकर जेब्रा के पास जाता है और जैसे ही जेब्रा से कहता है चीज तो जेब्रा भी अपने सारे दांत दिखाते हुए हंस देता है। इस तस्वीर को देखकर आप भी मुस्कुराए बिना नहीं रह पाएंगे और कहेंगे कि सचमुच फोटोग्राफर के चीज कहने पर इस जेब्रा ने हंसना शुरू कर दिया। जेब्रा की ये हंसते हुए फोटो ली है पेंसिलवेनिया में रहने वाले 46 साल के लिंकलन हैरिस ने जो बीते दिनो छुट्टियां बिताने के लिए अफ्रीका के जंगलों में गए थे। हैरिस ने बताया कि जब मैं वहां पहुंचा तो वो सब एक लाइन में खड़े हुए थे। अचानक ही उसमें से जो सबसे किनारे खड़ा था उसने अपने दांत दिखाना शुरु कर दिया। जैसे ही मैं वो हसा मैंने उसकी फोटो क्लिक कर ली। हैरिस के लिए ये एक अनोखा अनुभव था। जब उन्होंने किसी जानवर की फोटो खींची हो और वो मुस्कुरा दिया हो।

सेहत

मुंह के छालों व इन रोगों के लिए रामबाण है बील, ऐसे करें इस्तेमाल

गर्मी ने बेहाल कर रखा है। ऐसे में पेट के साथ दिमाग के लिए भी ठंडक बेहद जरूरी है। इस मौसम में बील या बेल ऐसा फल है जो अपने विशेष गुणों से गर्मी में राहत देता है। जानते हैं इसके गुण-
गर्मियों में लू लगने पर इसका शर्बत पीने से आराम मिलता है। पीलिया में बील की कोपलों का 50 ग्राम रस में एक ग्राम पिसी काली मिर्च मिलाकर सुबह-शाम पिएं, इससे लाभ मिलता हैं। सौ ग्राम पानी में इसका थोड़ा गूदा उबालें, ठंडा होने पर कुल्ला करने से मुंह के छाले ठीक होते हैं।

सिरदर्द में बील पत्र के रस से भीगी पट्टी माथे पर रखें। पुराना सिरदर्द होने पर कुछ पत्तों का रस निकाल कर पिएं। गर्मियों में इसमें थोड़ा पानी मिला लें। मोच या अंदरुनी चोट में बील के पत्तों को पीसकर थोड़े गुड़ में पकाएं। इसे पीड़ित अंग पर बांध दें। दिन में तीन-चार बार इसे बदलें, लाभ मिलता है।

पके बील में चिपचिपापन होता है इसलिए यह डायरिया रोग में काफी लाभप्रद है और शरीर में पानी की कमी को दूर करता है। पका बील खाने से वात और कफ रोग दूर होते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरुनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखे। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

लॉफिंग ज़ोन

चिंटू- यार कल कोई मेरी बीवी से जबरदस्ती कर गया और 15,000 रूपए भी ले गया।

पिंटू- झूठे 10,000 रूपए थे।

चिंटू- पैसे को छोड कौन था ये पता कर।

▯ ▯ ▯

चिंटू- क्या तुम किसी से प्यार करते हो ?

पिंटू- हाँ यार।

चिंटू- तो उसने क्या कहा ?

पिंटू- वो बोलती है, आई लव यू टू .... पता नही ये दूसरा कौन है।

▯ ▯ ▯

चिंटू- क्या तुम किसी से प्यार करते हो ?

पिंटू- हाँ यार।

चिंटू- तो उसने क्या कहा ?

पिंटू- वो बोलती है, आई लव यू टू .... पता नही ये दूसरा कौन है।

▯ ▯ ▯

मूसलाधार बारिश हो रही थी। बिजली चमक रही थी।

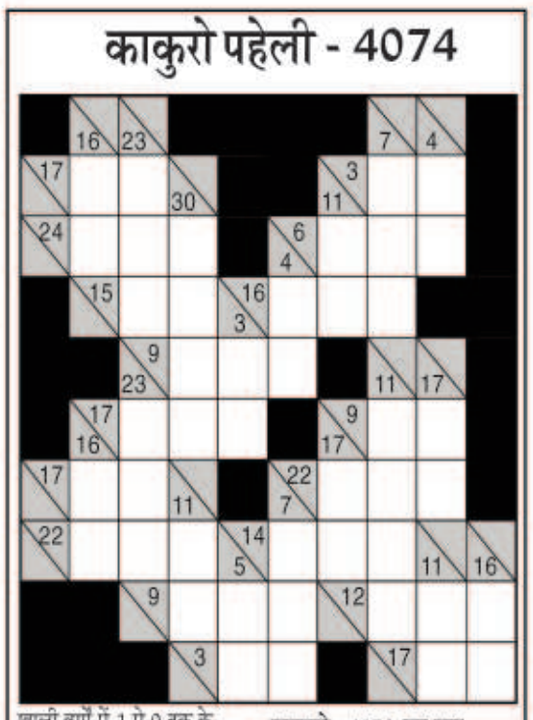

तभी एक व्यक्ति भीगता हुआ आया और दुकानदार से बोला, भाई साहब एक डबलरोटी दे दीजिए।

दुकानदार ने पुछा, क्या आप शादीशुदा है। वह बोला, ओर आप क्या समझते है कि ऐसे मौसम में मेरी मां मुझे बाहर भेजेगी।

काकुरो पहेली - 4074

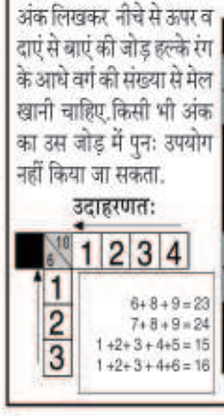

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरण:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -4073 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4074

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरुख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगू ना बहार मांगू' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरुद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस से पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरुदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरुख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4073

सूडोकु -4074

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4073 हल

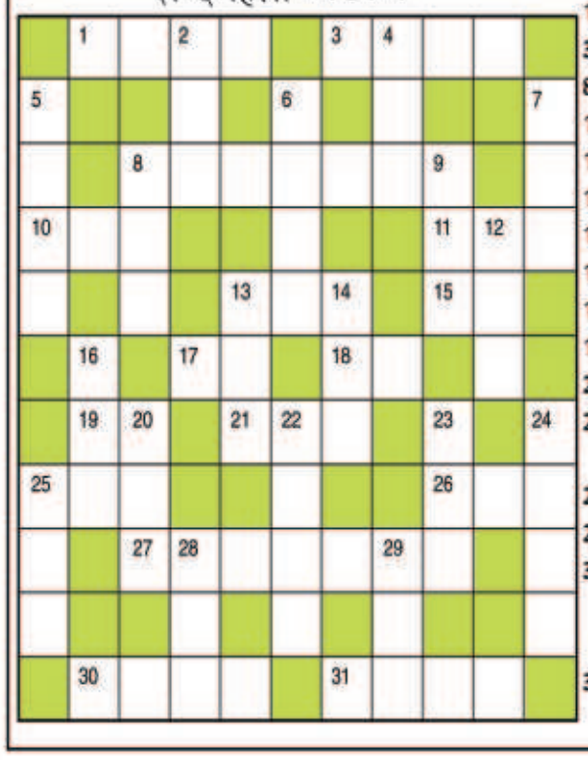

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

शब्द पहेली -4074

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूंघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्जन,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली 4073 का हल

अरुणाचल प्रदेश के नामसाई में नशीला पदार्थ के साथ सात लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार।

दुमदुमा प्रेरणा भारती ४ जून। अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नामसाई पुलिस को बडी सफलता मिली है। पिछले लगभग डेढ.महीने के दौरान खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए विशेष अभियानों में पुलिस ने ७ कथित मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है तथा उनके कब्जे से करीब ७५.८६ ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की है।नामसाई के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सांग्ये थिनले ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान जिला एंटी-ड्रग स्क्वॉड द्वारा केंगो दिची तथा अन्य पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में चलाया गया। इस दौरान नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटांसेज (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत ७ मामले दर्ज किए गए, जिनमें आरोपियों की गिरफ्तारी और विभिन्न स्थानों से मादक पदार्थों की बरामदगी की गई।पुलिस ने नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आदतन अपराधियों के विरुद्ध प्रिवेंशन ऑफ इलिसिट ट्रैफिक इन नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटांसेज अधिनियम के तहत भी कार्रवाई शुरू की है। इस कदम का उद्देश्य दोबारा अपराध करने वालों पर अंकुश लगाना तथा संगठित मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करना है।एसपी ने आम जनता से भी अपील की है कि वे नशीले पदार्थों से जुडी किसी भी गतिविधि की विश्वसनीय सूचना पुलिस को दें। उन्होंने आश्वस्त किया कि सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।पुलिस अधिकारियों ने दोहराया कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई गई है और इस अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध आगे भी कडी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।उल्लेखनीय है कि पिछले लगभग डेढ.महीने में नामसाई पुलिस ने ७ मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया, ७५.८६ ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त की तथा एनडीपीएस अधिनियम के तहत ७ मामले दर्ज किए हैं।

श्रीभूमि जिले में दिव्यांगजनों के लिए जागरूकता सभा एवं पहचान शिविर का आयोजन

प्रे.सं.श्रीभूमि ४ जून : श्रीभूमि जिले में १ एवं २ जून को दिव्यांगजनों के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम तथा सहायक उपकरण वितरण हेतु पहचान शिविर आयोजित किया गया। सीआरसी (उठउ), गुवाहाटी की पहल एवं सक्षम संस्था के सहयोग से यह मेगा शिविर १ जून को श्रीभूमि के बिपिन चंद्र पाल स्मृति भवन में आयोजित किया गया।शिविर का औपचारिक उद्घाटन राज्यसभा के पूर्व सांसद मिशन रंजन दास तथा सीआरसी गुवाहाटी के निदेशक डॉ. लानु वानबोय आइमोल ने किया। अन्य गणमान्य उपस्थित व्यक्तियों में श्रीभूमि जिले के समाजसेवी रूपक डे, करीमगंज कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. शुभाशीष राय चौधुरी, जीएनएम नर्सिंग स्कूल की प्राचार्या मंदीरा शर्मा, इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष शिवानी वैद्य तथा सक्षम संस्था के पूर्वोत्तर भारत के समन्वयक डॉ. मिथुन राय शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन सक्षम की श्रीभूमि जिला उपाध्यक्ष झूमा दास ने किया।उद्घाटन समारोह में पूर्व सांसद मिशन रंजन दास ने दिव्यांगजनों के लिए सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए समाज के सभी वर्गों से राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर दिव्यांगजनों के साथ खडे होने का आह्वान किया। उन्होंने इस महान कार्य में निरंतर प्रयासरत सक्षम संस्था को भी शुभकामनाएं दीं।डॉ. मिथुन राय ने अपने संबोधन में विस्तार से बताया कि समाज के सभी वर्ग किस प्रकार विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के सहयोग में आगे आ सकते हैं तथा उनके लिए उपयुक्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर सकते हैं। वहीं सीआरसी के पदाधिकारी डॉ. दीपक कुमार ऐच एवं राज कमल पांडे ने तकनीकी विषयों पर चर्चा की।इस सभा में श्रीभूमि जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आंगनवाडी कार्यकर्ता, सामाजिक संगठन, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि, महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं तथा दिव्यांग भाई-बहनों ने भाग लिया।

२ जून को आयोजित दूसरे दिन के कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, पुनर्वास एवं सामाजिक समावेशन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कॉम्पोजिट रीजनल सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट, रिहैबिलिटेशन एंड एम्पावरमेंट (CRC-SRE), गुवाहाटी, संयुक्त स्वास्थ्य संचालक कार्यालय द्वारा नामित चिकित्सक दल, जिला समाज कल्याण अधिकारी (DSWO) कार्यालय तथा सक्षम संस्था के सहयोग से जीएनएम प्रशिक्षण स्कूल में एक दिवसीय मूल्यांकन एवं यूडीआईडी (UDID) पंजीकरण शिविर आयोजित किया गया।

शिविर को आम जनता से व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ तथा ६०० से अधिक लाभार्थियों ने विभिन्न सेवाओं एवं सुविधाओं का लाभ लेने के लिए भागीदारी की। विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत मूल्यांकन एवं यूनिक डिसेबिलिटी आईडी (णऊखऊ) कार्ड निर्माण की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके अतिरिक्त ५०० से अधिक दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण प्रदान करने हेतु चिन्हित किया गया, जो उनकी गतिशीलता, आत्मनिर्भरता, शिक्षा, आजीविका तथा समग्र जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।शिविर में वरिष्ठ नागरिकों को भी शामिल किया गया। लगभग १०० वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु चिन्हित किया गया।CRC-SRE ने चिकित्सक दल उपलब्ध कराने के लिए संयुक्त स्वास्थ्य संचालक, समाज कल्याण विभाग तथा जिला प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

IRCTC का बड़ा एक्शन, ३ करोड़.फर्जी आईडी ब्लॉक, ऑनलाइन टिकट बुकिंग में भी बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली. (एजें) ४ जून :भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने वर्ष २०२५-२६ के दौरान ऑनलाइन टिकट बुकिंग और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं. एक ओर जहां डिजिटल माध्यम से टिकट बुकिंग का दायरा लगातार बढा है, वहीं दूसरी ओर फर्जी खातों, संदिग्ध गतिविधियों और साइबर धोखाधडी पर लगाम लगाने के लिए आईआरसीटीसी ने बडे.पैमाने पर कार्रवाई की है. निगम ने वर्ष २०२५ के दौरान ३.०३ करोड.संदिग्ध यूजर आईडी निष्क्रिय कर दीं. इसके साथ ही लाखों संदिग्ध पीएनआर और करोडों यूजर खातों की जांच की प्रक्रिया भी शुरू की गई है.आईआरसीटीसी के अनुसार रेलवे यात्रियों को टिकट बुकिंग में निष्पक्ष अवसर उपलब्ध कराने और दलालों तथा फर्जी खातों के जरिए होने वाली अनियमितताओं को रोकने के लिए साइबर सुरक्षा अभियान को और मजबूत किया गया है. विशेष रूप से तत्काल टिकट बुकिंग जैसी अत्यधिक व्यस्त अवधि में वास्तविक यात्रियों को प्राथमिकता दिलाने के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग किया जा रहा है.आधिकारिक आंकडों के मुताबिक वर्ष २०२५-२६ के दौरान आईआरसीटीसी ने प्रतिदिन औसतन १४.५३ लाख टिकटों की बुकिंग दर्ज की. यह आंकडा वर्ष २०२४-२५ के औसत १३.८८ लाख दैनिक टिकट बुकिंग की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है. इससे साफ है कि रेलवे यात्रियों का ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म पर भरोसा लगातार बढ.रहा है और डिजिटल माध्यम रेलवे आरक्षण का प्रमुख विकल्प बन चुका है.आईआरसीटीसी ने बताया कि वर्ष २०२५ के दौरान ३.०३ करोड.संदिग्ध यूजर आईडी को निष्क्रिय किया गया. इसके अलावा ६.०५ करोड.संदिग्ध खातों को पुनः सत्यापन प्रक्रिया के तहत रखा गया, ताकि उनकी वास्तविकता की जांच की जा सके और सिस्टम के दुरुपयोग को रोका जा सके. निगम ने फर्जी डिजिटल पहचान के खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए १३,३४३ संदिग्ध ईमेल डोमेन ब्लॉक किए.साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए आईआरसीटीसी ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर भी काम किया. निगम की ओर से राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर ५०१ शिकायतें दर्ज कराई गई. ये शिकायतें ४.१८ लाख संदिग्ध पीएनआर से संबंधित थीं. अधिकारियों का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य टिकट बुकिंग प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाना है.आईआरसीटीसी ने बताया कि तत्काल टिकट बुकिंग के दौरान फर्जी खातों और बॉट आधारित बुकिंग को रोकने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है. एआई आधारित सिस्टम ऐसे खातों की पहचान करता है जो बडी संख्या में टिकट बुक करने, डिस्पोजेबल ईमेल एड्रेस का इस्तेमाल करने या अन्य संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होते हैं. पहचान होने पर ऐसे खातों को तुरंत निष्क्रिय कर दिया जाता है.

डिजिटल टिकटिंग के क्षेत्र में आईआरसीटीसी ने कई नए रिकॉर्ड भी बनाए हैं. आंकडों के अनुसार १६ अगस्त २०२५ को सुबह १० बजकर २ मिनट पर एक मिनट के भीतर ३७,४१० टिकट बुक किए गए, जो अब तक का सर्वाधिक प्रति मिनट टिकट बुकिंग रिकॉर्ड है. इसी तरह १९ अगस्त २०२५ को एक ही दिन में १८.४० लाख टिकट बुक हुए, जो आईआरसीटीसी के इतिहास में एक दिन में हुई सबसे अधिक टिकट बुकिंग मानी जा रही है.रेलवे आरक्षण में ऑनलाइन माध्यम की बढती भूमिका का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष २०२५-२६ में आरक्षित रेलवे टिकटों में लगभग ८९ प्रतिशत टिकट आईआरसीटीसी के डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बुक किए गए. इससे स्पष्ट है कि यात्रियों की बडी संख्या अब रेलवे टिकट बुकिंग के लिए ऑनलाइन व्यवस्था को प्राथमिकता दे रही है.

यात्रियों की सुविधा बढाने के लिए आईआरसीटीसी ने तकनीकी नवाचारों को भी बढावा दिया है. निगम का वॉयस और टेक्स्ट आधारित चैटबॉट 'आस्क दिशा' टिकट बुकिंग, पीएनआर स्टेटस जांच, टिकट रद्द करने और रिफंड संबंधी सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. माइक्रोसॉफ्ट एज्योर तकनीक से संचालित यह चैटबॉट अंग्रेजी, हिंदी और हिंग्लिश भाषा को समझने में सक्षम है, जिससे देशभर के यात्रियों के लिए इसका उपयोग आसान हो गया है. वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के दौरान लगभग ८.१२ लाख आरक्षित रेल ई-टिकट इसी चैटबॉट के माध्यम से बुक किए गए.रेलवे अधिकारियों का कहना है कि बढती डिजिटल बुकिंग के साथ सुरक्षा उपायों को मजबूत करना समय की आवश्यकता है. फर्जी आईडी और अवैध बुकिंग नेटवर्क पर की गई कार्रवाई से तत्काल टिकटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी और वास्तविक यात्रियों को अधिक लाभ मिलेगा. अधिकारियों के मुताबिक रिकॉर्ड स्तर की टिकट बुकिंग यह साबित करती है कि आईआरसीटीसी के तकनीकी ढांचे में किए गए सुधार सफल रहे हैं.आईआरसीटीसी का मानना है कि डिजिटल टिकटिंग के बढते उपयोग के साथ सुरक्षा और पारदर्शिता दोनों को समान महत्व देना जरूरी है. यही कारण है कि एक तरफ जहां बुकिंग क्षमता को लगातार बढाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर साइबर धोखाधडी और फर्जी खातों के खिलाफ कडी कार्रवाई भी जारी है. निगम के अनुसार इन प्रयासों का उद्देश्य लाखों यात्रियों को तेज, सुरक्षित और भरोसेमंद ऑनलाइन टिकटिंग सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि रेलवे यात्रा का अनुभव और बेहतर बनाया जा सके.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन के १२ वर्ष पूर्ण होने पर माहभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

प्रे.सं.शिलचर, ४ जून : यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर जनमानस में उत्पन्न भ्रम को दूर करने के उद्देश्य से बुधवार को सिलचर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में एक पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस पत्रकार सम्मेलन में हाइलाकांडी के विधायक मिलन दास, जिला भाजपा अध्यक्ष रूपम साहा, महासचिव अमिताभ राय एवं गोपाल राय तथा प्रवक्ता जयंत चक्रवर्ती उपस्थित थे।पत्रकार सम्मेलन में यूसीसी विधेयक के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए विधायक मिलन दास ने कहा कि शपथ ग्रहण के बाद सरकार के प्रथम विधानसभा सत्र में ही इस विधेयक को पारित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इस कानून को लेकर गलत जानकारी और दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है, इसलिए आम लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए यह पहल की गई है।उन्होंने बताया कि विधेयक के प्रथम खंड में बहुविवाह, तलाक प्रथा तथा लव जिहाद से संबंधित प्रावधान एवं दंड का उल्लेख किया गया है। दूसरे खंड में संपत्ति के अधिकार, तीसरे खंड में लिव-इन संबंधों को कानूनी मान्यता तथा चौथे खंड में भविष्य में कानून की त्रुटियों एवं कमियों को संशोधित करने की व्यवस्था रखी गई है।मिलन दास ने दावा किया कि यूसीसी एक समाज सुधारक कानून है, जो महिला एवं पुरुष दोनों को समान अधिकार प्रदान करने तथा सामाजिक न्याय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह कानून शरीयत से संबंधित दोहरे मानदंडों को समाप्त करने में सहायक सिद्ध होगा।इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष रूपम साहा ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने यूसीसी लागू करने का जो वादा किया था, सरकार ने उसे पूरा कर दिखाया है। उन्होंने विशेष रूप से महिला कल्याण एवं महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा के लिए इस कानून का स्वागत किया।साथ ही, विश्व पर्यावरण दिवस तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के १२ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न जनकल्याणकारी एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों की रूपरेखा भी रूपम साहा ने प्रस्तुत की।

मेघालय से मिजोरम ले जाई जा रही ५० लाख रुपये की अवैध शराब खेप जब्त, एक गिरफ्तार

कछार (असम), ०४ जून (हि.स.)। कछार जिले के धोलाई थाना अंतर्गत लैलापुर पुलिस चौकी क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बडी कार्रवाई करते हुए लगभग ५० लाख रुपये मूल्य की भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) की खेप जब्त की है। इस दौरान एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया।विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने आज एक ट्रक (एएस-०१-आरसी-२९५०)को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान वाहन से रॉयल स्टैग (आईएमएफएल) की कुल १४० कार्टून, जिनमें १,६८० बोतलें थीं, बरामद की गईं। बरामद शराब पर ङ्कफोर सेल इन मेघालयङ्घ अंकित था और इसे अवैध रूप से कछार जिले के रास्ते मिजोरम ले जाया जा रहा था।अभियान के दौरान पुलिस ने अनवर हुसैन लस्कर (२८) को मौके से गिरफ्तार किया। वह कछार जिले के सोनाई थाना क्षेत्र स्थित न्यू टाउन बाजार का निवासी है।पुलिस ने जब्त शराब और वाहन को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अपने कब्जे में ले लिया है। मामले में संबंधित कानूनों के तहत आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।पुलिस के अनुसार, जब्त की गई शराब की खेप की काला बाजार में अनुमानित मूल्य लगभग ५० लाख रुपये है।

कुवैत एयरपोर्ट पर ड्रोन हमला, भारतीय नागरिक की मौत, ईरान पर लगे गंभीर आरोप

कुवैत सिटी. (एजें) ४ जून : पश्चिम एशिया में बढते तनाव के बीच कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए ड्रोन हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है. कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने घटना की पुष्टि करते हुए गहरा दुख व्यक्त किया है और कहा है कि वह पीडति परिवार तथा घायल लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में है.

यह हमला बुधवार को कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल पर हुआ. कुवैती अधिकारियों के अनुसार कई ड्रोन हवाई अड्डे के टर्मिनल-१ से टकराए, जिससे भवन को भारी नुकसान पहुंचा और कई लोग घायल हो गए. घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों और आपातकालीन सेवाओं को तत्काल सक्रिय कर दिया गया.भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक बयान में मृत भारतीय नागरिक के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि दूतावास शोक संतप्त परिवार के संपर्क में है और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए कुवैती अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है. हालांकि मृतक भारतीय नागरिक की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है.कुवैत सेना ने पुष्टि की है कि कई शत्रुतापूर्ण ड्रोन हवाई अड्डे के यात्री भवन से टकराए. हमले में टर्मिनल को काफी नुकसान पहुंचा है. घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई और अस्पतालों में भर्ती कराया गया. प्रारंभिक तस्वीरों और रिपोर्टों में एयरपोर्ट के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने के संकेत मिले हैं, हालांकि नुकसान का पूरा आकलन अभी जारी है.कुवैत सरकार ने इस हमले के लिए सीधे ईरान को जिम्मेदार ठहराया है. कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर इसे 'ईरानी आक्रामकता' करार दिया. मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने कहा कि सशस्त्र बल स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. रक्षा मंत्रालय के अनुसार सेना संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर घटनाक्रम की निगरानी कर रही है. सुरक्षा बलों को संवेदनशील प्रतिष्ठानों और महत्वपूर्ण ढांचों की सुरक्षा बढाने के निर्देश दिए गए हैं. हमले के बाद एयरपोर्ट और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और कडी कर दी गई है.घटना ऐसे समय हुई है जब पश्चिम एशिया पहले से ही तनावपूर्ण परिस्थितियों से गुजर रहा है. क्षेत्र में जारी भू-राजनीतिक संघर्षों के बीच नागरिक प्रतिष्ठानों, विशेष रूप से हवाई अड्डों और परिवहन केंद्रों की सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के हमले क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती बन सकते हैं.भारतीय अधिकारियों ने भी पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए रखी है. विदेश मंत्रालय और कुवैत स्थित भारतीय दूतावास स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हैं तथा वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं.

फिलहाल कुवैती सुरक्षा एजेंसियां हमले की विस्तृत जांच कर रही हैं. ड्रोन हमले के स्रोत, क्षति के स्तर और अन्य संभावित खतरों को लेकर जांच जारी है. वहीं भारतीय समुदाय और मृतक के परिजन घटना के बाद गहरे सदमे में हैं. भारतीय दूतावास ने आश्वासन दिया है कि प्रभावित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी.कुवैत एयरपोर्ट पर हुए इस हमले ने एक बार फिर पश्चिम एशिया में बढते तनाव और उसके अंतरराष्ट्रीय प्रभावों को उजागर कर दिया है. अब पूरी दुनिया की नजर इस बात पर है कि इस घटना के बाद क्षेत्रीय हालात किस दिशा में आगे बढते हैं.

शिशुतोष बोसाक मेमोरियल तृतीय डिवीजन फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज, ११ जून को होगा फाइनल मुकाबला

चंद्रशेखर ग्वाला शिलचर, ४ जून : शिलचर डी एस ए द्वारा आयोजित शिशुतोष बोसाक मेमोरियल प्राइजमनी नॉकआउट तृतीय डिवीजन फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ गुरुवार को शिलचर के सतिंद्र मोहन देव मेमोरियल स्टेडियम में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच दोपहर तीन बजे से खेला गया, जिसमें यूथ देव एसोसिएशन का सामना तारापुर स्पोर्टिंग क्लब से हुआ।आठ टीमों की भागीदारी वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आगामी ११ जून को आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता में यूथ देव एसोसिएशन, स्पोर्टिंग स्पिरिट क्लब, मॉर्निंग क्लब, उदारबंद लायंस, प्रथम पल्ली, स्पोर्टिंग स्पिरिट यूथ क्लब, पीडब्ल्यूडी एसी तथा मूनलाइट क्लब हिस्सा ले रहे हैं।टूर्नामेंट की विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ १० हजार रुपये की प्राइजमनी प्रदान की जाएगी, जबकि उपविजेता टीम को ट्रॉफी सहित ५ हजार रुपये की प्राइजमनी मिलेगी।इसके अतिरिक्त सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर, सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर, सर्वश्रेष्ठ लिंकमैन, सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड, टूर्नामेंट के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाडी तथा टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी को विशेष पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रत्येक व्यक्तिगत श्रेणी के विजेता को १,००० रुपये की प्राइजमनी के साथ ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा। फुटबॉल प्रेमियों में टूर्नामेंट को लेकर उत्साह देखा जा रहा है और आगामी दिनों में रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद की जा रही है।

असम राइफल्स की पहल: जिरीबाम के बोरो बेकेरा में युवाओं के लिए ड्राइविंग कौशल विकास प्रशिक्षण शुरू

जिरीबाम, ४ जून: स्थानीय युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से असम राइफल्स ने जिरीबाम जिले के बोरो बेकेरा उपमंडल में दो सप्ताह का ड्राइविंग कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को मोटर वाहन चलाने का व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी तथा स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस पहल से जिरीबाम और फेजरवाल जिलों के लगभग १४ गांवों के युवक-युवतियां लाभान्वित होंगे।असम राइफल्स के अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न समुदायों के युवाओं को एक साझा मंच पर लाकर उन्हें उपयोगी कौशल प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य में आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे तथा ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने में भी सहायता की जाएगी।विशेष रूप से महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे वे आर्थिक स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढा सकें।असम राइफल्स ने कहा कि यह पहल क्षेत्र में कौशल विकास को बढावा देने, स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने और सामाजिक-आर्थिक प्रगति में योगदान देने की उनकी सतत प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

प्रेम प्रस्ताव ठुकराने पर युवती के अपहरण का आरोप, दो युवक गिरफ्तार

प्रे.स. सोनाई, ४ जून: कछार जिले के सोनाई क्षेत्र में एक १८ वर्षीय युवती के कथित अपहरण की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सोनाई पुलिस ने कुछ ही घंटों के भीतर युवती को सुरक्षित बरामद कर मुख्य आरोपी समेत दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार, नरसिंहपुर क्षेत्र में किराए के मकान में परिवार के साथ रहने वाली युवती स्थानीय एक विद्यालय की छात्रा है। मंगलवार दोपहर करीब १२:३० बजे वह स्कूल में प्रवेश शुल्क जमा करने के लिए घर से निकली थी। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर युवती की मां ने सोनाई थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि मणिपुर द्वितीय खंड निवासी निजाम उद्दीन शेख (२०) लंबे समय से युवती को प्रेम प्रस्ताव देकर परेशान कर रहा था। युवती द्वारा प्रस्ताव अस्वीकार किए जाने के बाद उसने मंगलवार को कथित रूप से जबरन युवती को मोटरसाइकिल पर बैठाकर अपने साथ ले गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए सोनाई पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की और संभावित ठिकानों पर छापेमारी की। अभियान के दौरान धोलाई थाना क्षेत्र के शुक्तला इलाके से युवती को बरामद कर लिया गया। वहीं मुख्य आरोपी निजाम उद्दीन शेख को गिरफ्तार किया गया। मौके पर मौजूद जयनुल अहमद शेख नामक एक अन्य युवक को भी पुलिस ने हिरासत में लिया।बरामदगी के बाद मंगलवार रात युवती को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत उजाला होम भेज दिया गया। वहीं गिरफ्तार दोनों युवकों को बुधवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वामी श्री दिलीप कुमार द्वारा भारती ऑफसेट मुद्रणालय, कटहल रोड, शिलचर-05 (असम) से मुद्रित व प्रकाशित, सम्पादक-श्रीमती सीमा कुमार, Ph & Fax (03842) 242633, (M) 9435213512